

**दिल्ली मुंबई एक्सप्रेस वे: दिल्ली से सवाई माधोपुर पहुंचा होगा आसान, दिसंबर से साढ़े तीन घंटे में पहुंच सकेंगे**

संजय बाटला

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे का राजस्थान में दौसा से सवाई माधोपुर का पैकेंज दिसंबर से चालू करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है। इस पैकेंज के चालू होने से दिल्ली से सवाई माधोपुर तक पहुंचना काफी आसान हो जाएगा। छह से सात घंटे की बजाय केवल साढ़े तीन से चार घंटे में पहुंच जायेंगे।

**नई दिल्ली/गुरुग्राम ।** दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे का राजस्थान में दौसा से सवाई माधोपुर का पैकेज दि संबर्बर से चालु करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। निर्माण से दलभाग पूरा हो चुका है। इस पैकेज के चालु होने से दिल्ली से सवाई माधोपुर तक पहुंचना काफी आसान हो जाएगा। छह से सात घंटे की बजाय केवल साढ़े तीन से चार घंटे में पहुंच जायेंगे। यही नहीं देश के प्रसिद्ध रथबंधी बाण अभयारण्य तक पहुंचनी भी आसान हो जाएगी।

सवाई माधोपुर से रणथंभौर बाघ अभयारण्य की दूरी लगभग 20 किलोमीटर है। ऐसे में एक्सप्रेस-वे के चालू होने से रणथंभौर का लुप्त उठाने वालों की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी होगी। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली सहित कई शहरों की कनेक्टिविटी बेहतर करने के उद्देश्य से दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे का निर्माण किया जा रहा है।



अलीपुर-दौसा का भाग हो चुका है चालू निर्माण बेहतर तरीके से और निर्धारित समय के दौरान हो इसके लिए इसे कई पैकेज में बांटा गया है। एक्सप्रेस-वे की शुरुआत सोहना के नजदीक गांव अलीपुर से हो रही है। अलीपुर से राजस्थान में दौसा का भाग चालू किया जा चुका है। अब दौसा से सवाई माधोपुर तक के पैकेज को चालू करने की तैयारी चल रही है। निर्माण पूरा हो चुका है।

चालू करने से पहले सुरक्षात्मक दृष्टिकोण से तैयारी की जा रही है। दो महीने के भीतर तैयारी पूरी करने का लक्ष्य रखा गया है ताकि दिसंबर से हर हाल में चालू किया जा सके। दिल्ली से सवाई माधोपुर की दूरी 300 किलोमीटर से अधिक है। इतनी दूरी तय करने में अधिक से अधिक साढ़े तीन से चार घंटे लगेंगे।

एक्सप्रेस-वे के चालू होने से कम से कम तीन

घंटे की बचत होगी। बता दें कि एक्सप्रेस-वे पर नियमानुसार 120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार तक वाहन चला सकते हैं। बताया जाता है कि दौसा से सवाई माधोपुर का पैकेज दो-तीन महीने पहले तैयार हो जाता। पावर ग्रिड की लाइनों को शिफ्ट कराने में काफी समय लग गया।

वाहनों की संख्या में 10 हजार की होगी

बढ़ोतरी

फिलहाल एक्सप्रेस-वे पर प्रतिदिन औसतन 20 हजार वाहन चलते हैं। दौसा से लेकर सवाई माधोपुर का भाग चालू होने पर वाहनों की संख्या में 10 हजार तक की बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। इसके पीछे मुख्य कारण रणथंभोर बाघ अभयारण्य है। देश ही नहीं विदेशी पर्यटकों के लिए भी रणथंभोर आकर्षण का केंद्र है।

एक्सप्रेस-वे के चालू होने से रणथंभौर पहुंचना काफी आसान हो जाएगा। वहां कई झीलें भी हैं, जिनका आनंद उठाने के लिए पर्यटक पहुंचते हैं। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण

(एनएचएआई) के क्षेत्रीय अधिकारी हरीश शर्मा कहते हैं कि दिसंबर से दौसा से सवाई माधोपुर का पैकेज चालू हो जाएगा। उससे आगे के पैकेज पर भी तेजी से काम चल रहा है। निर्माण पूरा होते ही पैकेज को चालू कर दिया जाएगा। बता दें कि प्राधिकरण द्वारा अगले साल तक प्रोजेक्ट को पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित है।

# ट्रैफिक नियम तोड़ने में अव्वल ई-रिक्षा वाले



परिवहन विशेष न्यूज

परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने बताया कि मौजूदा समय में 4593 गांव परिवहन सेवा से वंचित हैं, इसलिए सरकार ने इन सभी गांवों



को परिवहन सेवा से जोड़ने का फैसला किया है।

**लखनऊ।** ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को बेहतर परिवहन सेवा मुहैया कराने के लिए सरकार दिसंबर तक प्रदेश के सभी गांवों को परिवहन सेवा से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। परिवहन

परिवहन निगम से 10 अक्टूबर तक इस संबंध में रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि मौजूदा समय में 4593 गांव परिवहन सेवा से वंचित हैं, इसलिए सरकार ने इन सभी गांवों को परिवहन सेवा से जोड़ने का फैसला किया है।

परिवहन मंत्री ने बताया कि परिवहन सेवा से वंचित गांवों का पहले सर्वे कराया जाएगा।

परिवहन निगम और विभाग के अधिकारियों की संयुक्त टीम सर्वे करेगी। प्रमुख सचिव परिवहन वैकटेश्वर लू ने बताया कि सर्वे कार्य एक सप्ताह में पूर्ण कर लिया जाएगा। प्रत्येक जिले के लिए न्यूनतम 02 दल बनाये गए हैं। डिपो स्तर से यह रिपोर्ट संकलित करके क्षेत्रीय प्रबंधक व सम्भागीय परिवहन अधिकारी द्वारा यह रिपोर्ट 10 अक्टूबर तक मुख्यालय आ जाएगी।



परिवहन विशेष न्यूज

**नई दिल्ली।** इन दिनों पूरे भारत में ई-रिक्शा की संख्या में काफी इजाफा हो गया है। समय की बचत के लिए लोगों अब ऑटो की बजाय ई-रिक्शा ज्यादा इस्तेमाल करते हैं, लेकिन ये ई-रिक्शा अब केवल ई-रिक्शा न रह कर चलते फिरते यात्रियों के लिए मुसीबत बन गए हैं। जहाँ एक तरफ ई-रिक्शा लोगों को सुविधा प्रदान करते हैं और कई मुश्किलों भी पैदा करते हैं। दूसरी तरफ कई मुसीबतों का कारण भी बन गए हैं। कई ई-रिक्शा चालक

सड़क दुर्घटना का कारण बनते हैं। कहीं-कहीं ई-रिक्शा की जानकारी मिलाने का होने के कारण कई मामले अनसुलझे ही रह जाते हैं। कई लोग रोजगार के लिए जो किसी भी राज्य में अन्य राज्यों से आकर ई-रिक्शा चलाते हैं और केवल थोड़ी सी बैटरी बचाने के लालच में रात के समय डेइलाइट का प्रयोग नहीं करते, जो हादसों का एक मुख्य कारण बनते हैं। यही नहीं, ये ओवर स्पीड ई-रिक्शा चलाते हैं व क्षमता से ज्यादा सवारीयों भरते हैं और कहीं भी ई-रिक्शा रोक देते हैं।

ई-रिक्षा चालक लापरवाही से ई-रिक्षा चलाते हैं। छोटे-छोटे बच्चे फोन का इस्तेमाल करते हुए ई-रिक्षा चलाते हैं और रात के समय तो और भी समस्या होती है, जब इनके द्वारा हेडलाइट भी नहीं जलाई जाती। ऐसे में एकही छोट होने की संभावना बनो रही है। ई-रिक्षा चालक अबीर स्पीड होकर रिक्षा चलाते हैं जिससे न केवल ई-रिक्षा में बैठे लोगों को हानि होती है। वहीं दूसरे लोग भी परेशान होते हैं।

( ईवी मिडिया ईवी ड्राइव )

# टैंपल'स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर  
(152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर  
उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन  
नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/25-01-  
2022 दर्पण रजिस्टर्ड

**कार्यालय:-** 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4  
पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट

**कार्यालय :-** 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड,  
नियर बैंक ऑफ़ बडौदा दिल्ली 110042

# 14 मिनिट में होगी वंदे भारत ट्रेन की सफाई रेल मंत्री अश्विनी वैष्णाव ने शुरू की नई पहल

परिवहन विशेष न्यूज

देशभर में कई स्टेशनों पर चलने वाली हाई स्पीड वंदे भारत ट्रेन की सिर्फ 14 मिनट में सफाई की जाएगी। इसके बाद यह ट्रेन अगली यात्रा के लिए रवाना होगी। यह पहल दिल्ली कैंट में रविवार से शुरू हो जाएगी। केंद्रीय रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव रविवार सुबह स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत गुड़गांव रेलवे स्टेशन पर श्रमदान करने पहुंचे थे।

**गुरुग्राम।** केंद्रीय रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव ने कहा कि स्वच्छता अभियान को देखते हुए रेलवे के लिए एक नई पहल शुरू की गई है। इसके तहत देश भर में कई स्टेशनों पर चलने वाली हाई स्पीड वंदे भारत ट्रेन की सिर्फ 14 मिनट में सफाई की जाएगी।

इसके बाद यह ट्रेन अगली यात्रा के लिए रवाना होगी। यह पहल दिल्ली कैंट में रविवार से शुरू हो जाएगी। केंद्रीय मंत्री रविवार सुबह स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत गुडगांव रेलवे स्टेशन पर श्रमदान करने पहुंचे थे।



परिसर में सफाई कर्मियों के साथ श्रमदान किया।  
केंद्रीय मंत्री ने कहा हम सभी को स्वच्छता को अपनी  
दिनचर्या में शामिल करना चाहिए। उनके आगमन  
पर स्टेशन परिसर के बाहर एक एनजीओ ने

स्वच्छता को लेकर नाटक का प्रदर्शन भी किया। अंत में प्रतिदिन स्वच्छता को लेकर एक शपथ भी दिलाई गई। केंद्रीय मंत्री स्काउट गाइड छात्रों से भी मिले और उन्होंने श्रमदान में हिस्सा लेने पर



उनकी सराहना की।  
केंद्रीय मंत्री यहां सड़क मार्ग से पहुंचे थे, इसवे  
बाद वह 11 बजकर 15 पर जयपुर से चलकर  
दिल्ली जाने वाली वंदे भारत ट्रेन से रवाना हो गए।



# प्रेग्नेंसी में क्यों खाना चाहिए मखाना? किन परेशानियों से मिलती है निजात, जानें 1 दिन में कितने मखाने खाना सही

प्रेग्नेंसी के दौरान आपको डाइट में मखाने को जरूर शामिल करना चाहिए . इससे मां और पेट में पल रहा बच्चा दोनों हेल्दी रहेंगे . दरअसल, मखाना पोषक तत्वों का भंडार माना जाता है . अब सवाल है कि प्रेग्नेंसी में मखाने क्यों फायदेमंद हैं ? किन परेशानियों को दूर करते हैं ? दिनभर में कितने मखाना खाना सही ? इन सवालों के बारे में बता रही हैं गायनोकोलॉजिस्ट डॉ. अमृता साहा...

प्रेग्नेंसी हर महिला के लिए सबसे सुखद अहसास होता है . ऐसे में हर महिला की चाह होती है कि उसकी डिलीवरी नॉर्मल और पेट में पल रहा शिशु हेल्दी हो. इसके लिए आपको डाइट में कुछ ड्राइफ्रूट्स को जरूर शामिल करना चाहिए. खासतौर पर मखाना. दरअसल, मखाना पोषक तत्वों का भंडार माना जाता है, बेशक आप इसको कभी भी खा लें, लेकिन प्रेग्नेंसी में यह बेहद लाभकारी होता है. गर्भावस्था के दौरान मखाने खाने से प्रेग्नेंट महिला और उसके शिशु की सेहत को कई लाभ हो सकते हैं. अब सवाल है कि प्रेग्नेंसी

में मखाने क्यों फायदेमंद हैं ? किन परेशानियों को दूर करते हैं ? दिनभर में कितने मखाना खाना सही ? इन सवालों के बारे में विस्तार से बता रही हैं गायनोकोलॉजिस्ट डॉ. अमृता साहा

**इन पोषक तत्वों का भंडार है मखाना**  
डॉ. साहा के मुताबिक, प्रेग्नेंसी में मखाने का सेवन फायदेमंद होता है. दरअसल, मखाने में फाइबर, कैल्शियम, आयरन, प्रोटीन, जिंक पोटेशियम और मैग्नीशियम जैसे कई पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो गर्भावस्था के दौरान जरूरी होते हैं. इसके अलावा मखाने में कैलोरी की मात्रा बेहद कम होती है, इसलिए आप इसे स्नैक के रूप में खा सकती हैं. इससे मां के साथ पेट में पल रहे बच्चे का स्वास्थ्य ठीक रहता है.

**दिनभर में कितने मखाना खाना सही**  
डॉ. साहा के मुताबिक, गर्भवती महिलाओं को मखाने खाना बेहद फायदेमंद है, लेकिन बहुत अधिक खाने से बचें. इसके लिए बेहतर होगा कि 1 दिन में एक से दो मुट्ठी ही मखाने खाएं. ऐसा करने से मां और शिशु दोनों हेल्दी रहेंगे.

**प्रेग्नेंसी में मखाना खाने के 5 चमत्कारी लाभ**

हड्डियां मजबूत होंगी: प्रेग्नेंसी में मखाने खाने से शरीर को मजबूती मिलती है. दरअसल, मखाना कैल्शियम का अच्छा स्रोत है. ऐसे में ये हड्डियों को मजबूत बनाने का काम करता है. प्रेग्नेंसी में मखाना खाने से गर्भावस्था और डिलीवरी के बाद होने वाले हड्डियों और जोड़ों के दर्द की समस्या से राहत मिल सकती है. इसके लिए यदि आप मखाने को घी में भूनकर खाती हैं तो ज्यादा ठीक रहेगा.

खून की कमी सुधारे: मखाने का सेवन आपके शरीर में खून की कमी को भी पूरा करता है. बता दें कि, प्रेग्नेंसी के दौरान कई महिलाओं को एनीमिया की शिकायत हो जाती है. ऐसे में यदि आप मखाना खाती हैं तो हीमोग्लोबिन के स्तर में बढ़ोतरी हो सकती है. ऐसे में आप शरीर में होने वाली खून की कमी को दूर कर सकती हैं. इसका आप सीमित मात्रा में सेवन कर सकती हैं.

कब्ज से दिलाए राहत: प्रेग्नेंसी के दौरान कई महिलाओं को कब्ज की समस्या हो जाती है, जिससे निजात पाना बेहद जरूरी है. इस परेशानी

से बचने के लिए आप अपनी डाइट में मखाने को शामिल कर सकती हैं. बता दें कि, मखाना फाइबर का अच्छा स्रोत होता है, जो पाचन क्रिया को बेहतर बनाने में मदद करता है. इसके लिए आप मखाने को रोस्ट करके या दूध में उबालकर खा सकती हैं.

भ्रूण का विकास करे: मखाना पेट में पल रहे बच्चे के स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद होता है. प्रेग्नेंसी में मखाना खाने से भ्रूण के विकास के लिए फायदेमंद होता है. बता दें कि, मखाना खाने से गर्भवती महिला को सभी आवश्यक पोषक तत्व मिल जाते हैं. इसके अलावा, प्रेग्नेंसी में नियमित रूप से मखाने का सेवन करने से कमजोरी और थकान जैसी कई समस्याएं नहीं होती हैं.

अनिद्रा से बचाए: गर्भावस्था के दौरान मखाने का सेवन करने से नींद अच्छी आती है. दरअसल, कई महिलाओं को प्रेग्नेंसी में हार्मोनल बदलावों के कारण अनिद्रा की समस्या हो जाती है. बता दें कि, मखाना आइसोव्यूनोलीन एल्केलॉइड से भरपूर होता है. इसके नियमित सेवन से दिमाग को आराम मिलता है, जिससे नींद अच्छी आती है.



# भारतीय समाज में महिलाओं की स्थिति में कितना आया बदलाव ?

शालिनी बाजपेयी

धरती के इस छोर से उस छोर तक मुट्ठी भर सवाल लिये मैं छोड़ती-हाँफती-भागती तलाश रही हूँ सदियों से अनितर अपनी ज़मीन, अपना घर अपने होने का अर्थ!

भारतीय समाज की नारी की स्थिति को बखूबी बयां करती निर्मला पुतुल की ये पंक्तियाँ पूरे समाज की व्यवस्था पर प्रश्नचिन्ह खड़ा करती हैं। भले ही आज हम यह कहकर अपनी पीठ थपथपा लें कि आजादी के 75 सालों में हमारी महिलाएँ चाँद पर पहुँच गई हैं, फाइटर प्लेन उड़ा रही हैं, ओलंपिक में पदक जीत रही हैं, बड़ी-बड़ी कंपनियाँ चला रही हैं या राष्ट्रपति बनकर देश की बागडोर संभाल रही हैं, लेकिन व्यावहारिक तौर पर देखें तो यह संख्या महिलाओं की आबादी का अंशमात्र ही है। हमारे समाज की महिलाओं का एक बड़ा तबका आज भी सामाजिक बंधनों की बेड़ियों को पूरी तरह से तोड़ नहीं पाया है; उनका अपना स्वतंत्र अस्तित्व नहीं है या यूँ कहें कि हमारा पितृसत्तात्मक समाज उन्हें जन्म से ही ऐसे साँचे में ढालने लगता है कि वे अपने अस्तित्व को बचाए रखने के लिये पुरुषों का सहारा ढूँढती हैं। वहीं यह भी सत्य है कि "जब-जब कोई स्त्री अपनी उपस्थिति दर्ज कराना चाहती है तब-तब न जाने कितने रीति-रिवाजों, परंपराओं, पौराणिक आख्यानों की दुहाई देकर उसे गुमनाम जीवन जीने पर विवश कर दिया जाता है।" इसलिए यह जानना

बेहद जरूरी है कि तेजी से विकास के पथ पर अग्रसर भारत में शैक्षिक, सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक व आर्थिक स्तर पर महिलाओं ने अब तक कितनी दूरी तय की है-

**कितनी बड़ी महिलाओं की साक्षरता दर ?**  
भारत में आज भी बहुत सी लड़कियाँ ऐसी हैं, जो शिक्षा के अधिकार से वंचित हैं। वहीं, पढ़ाई-लिखाई के दौरान बीच में ही स्कूल छोड़ देने वाली लड़कियों की संख्या भी लड़कों की संख्या से बहुत ज्यादा है क्योंकि लड़कियों से यह उम्मीद की जाती है कि वे घर के कामकाज में मदद करें। वहीं, उच्च शिक्षा की बात करें तो बहुत सी लड़कियाँ सिर्फ इसलिए उच्च शिक्षा से वंचित रह जाती हैं क्योंकि उनके परिवार वाले पढ़ाई के लिये उन्हें घर से दूर नहीं भेजते हैं, जिसके चलते उनका अधिकतर समय घरेलू कामों में खर्च होता है और महिलाओं व पुरुषों के बीच समानता का अंतराल बढ़ता चला जाता है। इससे इस मिथक को बढ़ावा मिलता है कि, शिक्षा-दीक्षा लड़कियों के किसी काम की नहीं है क्योंकि अंत में उन्हें प्राथमिक रूप से घर ही संभालना है, शादी करनी है और पति व बच्चों की सेवा करनी है। इतना ही नहीं, लड़कियों को शादी कब करनी है, किससे करनी है, बच्चे कब पैदा करने हैं ? ये सब कुछ भी हमारी पितृसत्ता तय करती है।

ऑक्टोबर पर नजर डालें तो, साल 1951 में भारत की साक्षरता दर केवल 18.3 फीसदी थी जिसमें से महिलाओं की साक्षरता दर 9 फीसदी से भी कम थी। वहीं, राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO) के



डाटा के अनुसार साल 2021 में देश की औसत साक्षरता दर 77.70 प्रतिशत थी जिसमें पुरुषों की साक्षरता दर 84.70 प्रतिशत, जबकि महिलाओं की साक्षरता दर 70.30 प्रतिशत थी। इसलिए यह कहना गलत नहीं होगा कि आजादी के बाद से अब तक महिलाओं की साक्षरता दर में वृद्धि हुई है, लेकिन अभी भी स्थिति संतोषजनक नहीं है। निम्नलिखित पंक्तियाँ देश की बेड़ियों को एक बार फिर से उठ खड़े होने का जज्बा प्रदान करती हैं-

**आओ उड़ाने भरें  
पंख भी हैं, खुला आकाश भी है  
फिर ये न उड़ पाने की मजबूरी कैसी लगता है, आत्मा पर जंग लगे संस्कारों की कील टोंक दी गई है  
कि पंख बस  
यूँही फड़फड़ाए और रह जाएं**

रसोई में केवल महिलाएँ ही क्यों ? भारत के रसोइघरों से महिलाओं की सामाजिक स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। आज भी घर की बेटी, बहु, माँ व पत्नी चाहे कितनी भी पढ़ी-लिखी क्यों न हो; कितने ही बड़े पद पर काम क्यों न कर रही हो; घर के सभी सदस्यों के लिये खाना पकाने व परोसने की उम्मीद सिर्फ महिला सदस्य से ही की जाती है। इसी वजह से भारतीय समाज में

लड़कियों को बचपन से ही रसोइघर के काम सिखाने शुरू कर दिए जाते हैं, जबकि लड़कों को रसोई से दूर रखा जाता है। जिससे आगे चलकर वे लड़के, जिनसे कभी रसोई के काम नहीं करवाए गए; जिन्होंने कभी अपने पिता को माँ के साथ खाना बनाते या अन्य घरेलू कामों में मदद करते नहीं देखा, वे भी अपने बच्चों को वैसे ही बनाते हैं जैसा उन्होंने अपने परिवार में देखा होता है। जिससे पितृसत्ता की विचारधारा एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में बिना किसी रुकावट के स्थानांतरित होती रहती है और अधिकांश महिलाएँ पूर्ण रूप से देश के विकास में अपना योगदान नहीं दे पाती हैं।

यहाँ पर इस बात पर भी विचार करना जरूरी है कि, महिलाएँ घर के पुरुषों को खाना खिलाने के बाद अंत में खाना खाती हैं। घर का कोई पुरुष इस बारे में नहीं सोचता कि उन्हें भी हमारे साथ बैठकर खाने का अधिकार है। इसका यह मतलब नहीं कि सभी पुरुष क्रूर और हिंसक हैं। इसका मतलब यह है कि, पितृसत्ता ने हमें ऐसा बना दिया है कि हम उससे परे जाकर सोच नहीं पाते हैं। जिसमें बदलाव की जरूरत है। इस संदर्भ में निर्मला पुतुल की निम्नलिखित पंक्तियाँ बेहद प्रासंगिक हैं-

**तन के भूगोल से परे एक स्त्री के**

**मन की गाँठें खोलकर कभी पढ़ा है तुमने उसके भीतर का खोलता इतिहास ?  
X X X X  
अगर नहीं!  
तो फिर जानते क्या हो तुम रसोई और बिस्तर के गणित से परे एक स्त्री के बारे में... ?**

**धर्मों भी महिलाओं का स्थान निम्न**  
भारत जैसे पितृसत्तात्मक देश में शिक्षा, मीडिया, कानूनी संस्थाएँ, आर्थिक संस्थाएँ, राजनीतिक संस्थाएँ सभी पूरी तरह से पितृसत्तात्मक हैं। यहाँ तक कि, सभी धर्म भी पितृसत्तात्मक हैं। अधिकांश धर्म महिला को अपना मुख्य आराध्य नहीं मानते। चूंकि धर्मों में पितृसत्ता को सर्वोच्च दिखाया गया है इसलिए महिलाओं को हमेशा से धर्म के नाम पर दबाने का प्रयास किया जाता है, और महिलाएँ बिना बराबरी का अधिकार माँगे अपने पति को परमेश्वर, स्वामी मानने लगती हैं। वह इस बात पर ज़रा भी विचार नहीं करती कि पति-पत्नी में अगर एक मालिक है तो दूसरा कौन होगा ? वह आसानी से अपने आपको गुलाम मान लेती हैं क्योंकि उनका प्राइमरी स्कूल जो कि उनका परिवार होता है, में उन्हें बचपन से ही ऐसी ट्रेनिंग दी जाती है।

**आर्थिक रूप से कितनी सक्षम हैं भारतीय महिलाएँ**

आज भी महिलाओं की अधिकांश समस्याओं का कारण आर्थिक रूप से परनिर्भरता है। यह बेहद चिंताजनक है कि देश की कुल आबादी में 48 फीसदी महिलाएँ हैं जिसमें से मात्र एक तिहाई महिलाएँ रोजगार में संलग्न हैं। इसी वजह से भारत की जीडीपी में महिलाओं का योगदान केवल 18 फीसदी है।

यदि परिवार के भीतर और बाहर महिलाओं के साथ होने वाले भेदभावों को समाप्त कर पुरुषों के समान अर्थव्यवस्था में भागीदारी करने के अवसर प्रदान किए जाएं तो अन्य महिलाएँ भी गीता गोपीनाथ, इंद्रा नुई, किरण मजूमदार शां की तरह सशक्त होंगी, साथ ही देश भी आर्थिक मोर्चे पर तेजी से प्रगति करेगा। सभी महिलाओं को इन चार पंक्तियों को जरूर आत्मसात करना चाहिये-

**नरहो कभी किसी की आश्रिता, खुद बनकर स्वावलंबी बनो हर्षिता हमें खुद अपना संबल बनना है हमें परजीवी लता नहीं बनना है ॥**

सत्ता व न्यायालयों में महिलाओं की भागीदारी इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि आज के समय में महिलाएँ घर की चारदीवारी से निकलकर सत्ता की बागडोर संभाल रही हैं, और न केवल संभाल रही हैं बल्कि कुशल संचालन कर रही हैं। उदाहरण के तौर पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, ममता बनर्जी, प्रियंका गाँधी, स्मृति ईरानी, मेनका गाँधी, मायावती को देखा जा सकता है। लेकिन देश में महिलाओं की आबादी के अनुसार देखें तो राजनीति में महिलाओं की संख्या अभी भी काफी कम है। भारतीय संसद में केवल 14

मखाने का सेवन करने से पेट में पल रहे बच्चे का विकास होता है.मखाने का सेवन करने से पेट में पल रहे बच्चे का विकास होता है.



फीसदी महिलाएँ हैं, जबकि संसद में महिलाओं की वैश्विक औसत भागीदारी 25 फीसदी से ज्यादा है। इसके अलावा, ग्रामीण अंचलों में पंचायत स्तर पर अधिकांश महिलाओं को केवल मुखौटे की तरह इस्तेमाल किया जाता है यानी चुनाव तो महिला जीतती है लेकिन सत्ता से संबंधित सभी निर्णय उसके परिवार के पुरुष सदस्य करते हैं। वहीं, न्यायालय में भी महिलाओं की संख्या संतोषजनक नहीं है। आपको जानकर हैरानी होगी कि देश के सर्वोच्च न्यायालय सहित उच्च न्यायालयों में मौजूद न्यायाधीशों में महज 11 प्रतिशत महिलाएँ हैं। समय की माँग है कि अब महिलाएँ जाग्रत हों और अपनी क्षमता को पहचान कर, परंपरागत रूढ़ियों को खंडित कर देश की मुख्यधारा में अधिक से अधिक योगदान दें।

**ऐ शक्ति स्वरूपा  
ऐ भावी पीढ़ी की निर्माता  
मानवता तुम्हें प्रणाम करे  
आओ! उड़ान भरें  
आओ! हम सब मिलकर इस पार  
बादलों के उस पार  
लंबी-ऊँची उड़ान भरें**

**निष्कर्ष**  
रूप में हम कह सकते हैं कि आजादी के बाद से अब तक भारत में महिलाओं ने विभिन्न क्षेत्रों में एक लंबा रास्ता तय किया है, परंतु अभी भी मंजिल से मीलों दूर हैं। तेजी से भागते समय के इस पहिये के साथ हमारी रफ्तार बहुत धीमी है, और इस रफ्तार को तभी बढ़ाया जा सकता है जब भारतीय समाज पितृसत्तात्मक मानसिकता से ऊपर उठकर महिलाओं को भी पुरुषों के समान बराबरी के अधिकार प्रदान करेगा। हालाँकि हमारे संविधान में स्त्री और पुरुष को समान अधिकार दिए गए हैं लेकिन यहाँ का समाज अपने नियमों के अनुसार, महिलाओं को संचालित करता है, जिसमें बदलाव की सख्त जरूरत है।

साथ ही, इस बात पर भी गौर किया जाना चाहिये कि हमें नारीशक्ति का उद्धार नहीं, वरन् उनका सहायक बनना है। भारतीय महिलाएँ भी संसार की अन्य महिलाओं की तरह अपनी समस्याओं को सुलझाने की क्षमता रखती हैं। आवश्यकता बस इतनी है कि उन्हें उपयुक्त अवसर प्रदान किए जाएँ; उनका वस्तुकरण करने की बजाय उन्हें मनुष्य समझा जाए। बेहतरीन कर्बवत्री अनामिका ने स्त्रियों को गहराई से समझने की गुजारिश करते हुए लिखा है-

**सुनो, हमें अनहद की तरह और समझो जैसे समझी जाती है नई-नई सीखी हुई भाषा।**

शालिनी बाजपेयी

शालिनी बाजपेयी यूपी के रायबरेली जिले में हैं। इन्होंने IIMC, बई दिल्ली से हिंदी पत्रकारिता में पीजी डिप्लोमा करने के बाद जनसंसार एवं पत्रकारिता में एम.ए. किया। वर्तमान में वे हिंदी साहित्य की पढ़ाई के साथ साथ लेखन का कार्य कर रही हैं।



# रामलीला महासंघ की बैठक में विरोध प्रदर्शन

## सनातन का अपमान करने वालों के पुतले को जूते मारे, निशुल्क बिजली, पानी की मांग

परिवहन विशेष न्यूज़

**नई दिल्ली।** दिल्ली लाल किला के विशाल मैदान में आज दिल्ली एन सी आर की सभी रामलीलाओं के प्रतिनिधियों ने श्री रामलीला महासंघ के प्रेसीडेंट अर्जुन कुमार के नेतृत्व में पिछले कुछ अरसे से सनातन के खिलाफ लगातार जहर उगलने और अपशब्द बोलने वाली ताकतों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन में इन ताकतों के पुतले को जूते मारे।

करीब 250 से ज्यादा लीला कमेटियों के प्रतिनिधियों और रामलीला महासंघ के प्रेसीडेंट अर्जुन कुमार ने सरकार से मांग करते हुए कहा दिल्ली की समस्त रामलीला कमेटियों को निशुल्क बिजली व पानी सुविधाएं उपलब्ध कराये। दशहरे के अवसर पर रावण, कुंभकरण, मेघनाथ के पुतले दहन के अवसर पर ग्रीन पटाखों को चलाने की अनुमति मिलनी चाहिए।

लाल किला ग्राउंड में आयोजित इस शांतिपूर्ण प्रदर्शन बैठक में सभी लीलाओं से आए पदाधिकारी सनातन के खिलाफ लगातार जहर उगल रही ताकतों के बयानों से बेहद अपसेट नजर आए, यहीं वजह रही कि बैठक में महासंघ के सभी प्रतिनिधियों ने सनातन विरोधी इन ताकतों पर तुरंत कार्यवाही करने की मांग करते रहे।

महासंघ के मुताबिक आज की बैठक में पिछले कुछ वर्षों से दशहरा पर्व की तिथि को लेकर हो रहा कंप्यूजन भी आपसी विचार विमर्श से दूर कर लिया गया। अर्जुन कुमार ने बताया सभी कमेटियां 24 अक्टूबर को दशहरा पर्व मनाए और रावण कुंभकरण और मेघनाथ के पुतलों का दहन करने को एकमत से सहमत हो गई और बैठक में यह भी



निर्णय हुआ कि रावण दहन के दिन रावण, कुंभकरण, मेघनाथ के पुतलों के साथ सनातन विरोधी ताकतों का भी एक पुतला दहन किया जाएगा। इस सभा के उपरांत लीला कमेटियों के प्रतिनिधियों के बीच सनातन विरोधी ताकतों के पुतलों को जूते से पीटने की होड़ लग गई और काफी देर तक इन पुतलों को जूते चप्पल से पीटते नजर

आए। रामलीला महासंघ की आज की बैठक, विरोध प्रदर्शन में श्री सुभाष गोयल महामंत्री रामलीला महासंघ, श्री सत्य भूषण जैन, राजन चौपड़ा, श्री कृष्णा वासिया पीतमपुरा रामलीला कमेटी, जयधर अवतार सिंह रामलीला कमेटी कश्मीरी गेट, जोगिंदर पाल श्री रामलीला कमेटी धक्का गांव, श्री राजेंद्र शौकीन मंगोलपुरी

रामलीला कमेटी, सुशील गोयल रामलीला कमेटी त्रिनगर, शिव शंकर नागर शालीमार रामलीला, नीलकंठ गुप्ता श्री हनुमंत धार्मिक लीला कमेटी, जय गोपाल गुप्ता बालाजी रामलीला कमेटी, दिवाकर पांडे विष्णु अवतार रामलीला कमेटी शास्त्री पार्क कमेटी सहित कमेटियों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

## दिल्ली में दर्दनाक हादसा: द्वारका एक्सप्रेसवे पर डंपर ने पांच को कुचला, एक छात्रा की मौत; चार घायल गंभीर



परिवहन विशेष। एसडी सेटी।

पुलिस ने बताया कि रविवार सुबह 5:40 बजे हादसे की जानकारी मिली। सूचना देने वाले ने बताया कि एक डंपर ने पांच लोगों को कुचल दिया है।

**नई दिल्ली।** दिल्ली के छावला में रविवार तड़के द्वारका एक्सप्रेसवे पर ताड़कवांडो का अभ्यास कर रहे पांच लोगों को तेज रफ्तार डंपर ने कुचल दिया। हादसे में श्याम विहार निवासी छात्रा अरुंधति (15) की मौत हो गई। वहीं, गंभीर रूप से घायल श्याम विहार निवासी नैना जोशी (16), दीनपुर निवासी सुप्रिया (16), श्याम विहार निवासी राजेश (25) और सचिन (42) का अस्पताल में इलाज चल रहा है। हादसे के बाद आरोपी चालक भाग निकला। पुलिस मामले दर्ज कर आरोपी डंपर चालक की पहचान करने में जुटी है। पुलिस ने बताया कि रविवार सुबह 5:40 बजे हादसे की जानकारी मिली। सूचना देने वाले ने बताया कि एक डंपर ने पांच लोगों को कुचल दिया

है। पुलिस के पहुंचने से पहले पीसीआर कर्मी घायलों को अस्पताल में भर्ती करा चुके थे। मौके पर पुलिस ने क्षतिग्रस्त साइकिल मिली। पुलिस ने फोरेंसिक टीम को मौके पर बुलाया। पुलिस अस्पताल पहुंची तो पता चला कि डॉक्टरों ने अरुंधती को मृत घोषित कर दिया।

अस्पताल में मिले चरमदीद श्याम विहार निवासी अनुराग ने बताया कि वह डीटीयू कॉलेज से बीटेक की पढ़ाई कर रहा है। वह अपने दोस्तों के साथ ताड़कवांडो सीख रहा है। रविवार तड़के 5:30 बजे सभी दोस्त गोला गांव के पास द्वारका एक्सप्रेसवे के पास अभ्यास कर रहे थे। इसी दौरान गोला गांव साई बाबा मंदिर की ओर से तेज रफ्तार डंपर ने सभी को कुचल दिया।

पुलिस ने बताया कि आसपास के इलाके में कोई सीसीटीवी कैमरे नहीं हैं। जिससे डंपर के नंबर का पता नहीं चल पाया है। पुलिस चालक के भागने की दिशा में लगे सीसीटीवी कैमरे की जांच कर आरोपी चालक की पहचान करने में जुटी है।

# देशभर के सरकारी कर्मियों ने दिल्ली में भरी हंकार

## रामलीला मैदान में जुटी भारी भीड़, मांग न मानने पर होगा और बड़ा धरना

परिवहन विशेष न्यूज़

सरकारी कर्मचारियों द्वारा पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर किया जा रहा आंदोलन रविवार को विकराल रूप धारण कर गया। दिल्ली के रामलीला मैदान में आंदोलनकारी लोगों की इतनी भीड़ का अंदाजा न तो केंद्र की भाजपा सरकार को था और न ही दिल्ली सरकार को।

**नई दिल्ली।** पुरानी पेंशन स्कीम बहाली को लेकर देशभर के कर्मियों ने दिल्ली में हंकार भरी। रामलीला मैदान आयोजित महारैली में बड़ी संख्या में केंद्र और राज्य सरकार के कर्मचारी पहुंचे। जिनके समर्थन में कई पार्टियों के नेता, किसान नेता समेत कई संगठनों के कार्यकर्ता मौजूद थे। उनका कहना था कि सरकार अपनी जिद नहीं छोड़ती है तो इससे भी बड़ा आंदोलन पूरे देश में किया जाएगा। आगामी लोकसभा चुनाव में केंद्र व राज्य सरकार के 10 करोड़ कर्मियों की यह संख्या निर्णायक साबित होगी।

पेंशन शंखनाद महारैली का आयोजन नेशनल मूवमेंट फॉर ओल्ड पेंशन स्कीम (एनएमओपीएस) के बैनर तले किया गया। एनएमओपीएस के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय कुमार बंधु ने इस मौके पर कहा कि पुरानी पेंशन कर्मियों का अधिकार है, सरकार से खैरात नहीं मांग रहे हैं। सरकारी कर्मियों, पेंशनरों और उनके रिश्तेदारों को मिलाकर यह संख्या दस करोड़ के पार चली जाती है। चुनाव में बड़ा उलटपेहर करने के लिए यह संख्या निर्णायक साबित होगी। पंजाब, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश और झारखंड में पुरानी पेंशन बहाल की जा चुकी है। जब भारत आर्थिक रूप से मजबूत हो चुका है तो फिर पेंशन क्यों नहीं दे सकता। सरकार बातें नहीं मानती तो जल्द ही वोट फॉर ओपीएस अभियान चलाया जाएगा। रैली के

चलते रामलीला मैदान के चारों तक सभी सड़कों पर कई घंटे तक जाम जैसी स्थिति रही।

सरकारी कर्मचारियों द्वारा पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर किया जा रहा आंदोलन रविवार को विकराल रूप धारण कर गया। दिल्ली के रामलीला मैदान में आंदोलनकारी लोगों की इतनी भीड़ का अंदाजा न तो केंद्र की भाजपा सरकार को था और न ही दिल्ली सरकार को। दिल्ली के रामलीला मैदान में आंदोलनकारियों की इस भीड़ ने अन्ना हजारे आंदोलन की याद दिला दी। खास बात यह है कि पुरानी पेंशन बहाली के इस आंदोलन को कई बड़े नेताओं ने अपना समर्थन दिया है।

**पुरानी पेंशन स्कीम कर्मचारियों का हक: भूपेंद्र सिंह हुड्डा**

इस मौके पर हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि पुरानी पेंशन योजना कर्मचारियों का हक है। मांगें एकदम जायज हैं और सरकार को इसे लागू करना चाहिए। कर्मचारियों के इस आंदोलन का पूरा समर्थन करते हैं।

**किसान इस लड़ाई में कंधे से कंधा मिलाकर चलेंगे: टिकैत**

भारतीय किसान यूनियन के अध्यक्ष राकेश टिकैत ने कहा कि पुरानी पेंशन स्कीम को पूर्ण समर्थन है। देश का किसान इस लड़ाई में कंधे से कंधा मिलाकर चलेगा और इसे मजबूती से लड़ने का काम करेगा।

**देशभर के कर्मचारी मोदी सरकार के खिलाफ: संजय सिंह**

आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि देश के कर्मचारियों ने पुरानी पेंशन बहाली को लेकर मोदी सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। 40 दिन विधायक सांसद रहने वाले को पूरी जिंदगी पेंशन, तो 40 साल काम करने वाले



कर्मचारी को पेंशन क्यों नहीं दी जाती। उन्होंने आगे कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का नारा है 'जहां आप का शासन वहां पुरानी पेंशन'।

**कांग्रेस ने हमेशा कर्मचारियों के हितों को सर्वोपरि रखा है: लवली**

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा कर्मचारियों के हितों को सर्वोपरि रखा है। कांग्रेस पार्टी की जिन राज्यों में सरकारें हैं, वहां कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड्गे और राहुल गांधी के आदेशानुसार पुरानी पेंशन को लागू किया जा रहा है। दिल्ली में कांग्रेस की सरकार आने पर सबसे पहले सरकारी कर्मचारियों के लिए ओल्ड पेंशन स्कीम को लागू किया जाएगा। साथ ही

अनुबंधित गेस्ट टीचरों व अन्य विभागों के कर्मचारियों को भी तुरंत प्रभाव से नियमित किया जाएगा।

**केंद्र में कांग्रेस की सरकार आई तो पहले दिन पुरानी पेंशन लागू करेंगे: डॉ. उदित राज**

देश और दिल्ली में कांग्रेस पार्टी कर्मचारियों के साथ खड़ी हैं। इस मौके पर पूर्व सांसद डा. उदित राज ने कहा कि इंडिया की सरकार यानी कांग्रेस की सरकार केंद्र में आई तो पहले दिन ही पुरानी पेंशन बहाल की जाएगी। नई पेंशन योजना का पूर्णतः विरोध करते हैं। देश के सभी कर्मचारियों के साथ कांग्रेस पार्टी खड़ी है। पूर्व सांसद संदीप दीक्षित सहित कई नेता समर्थन देने पहुंचे थे। उनका कहना था कि सरकारी कर्मचारियों

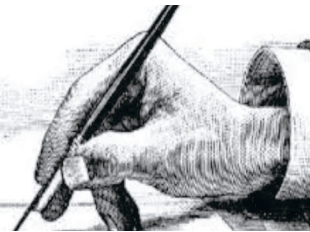
की रैली से मोदी सरकार के खिलाफ बिगूल बज चुका है, 2024 में भाजपा का तय है क्योंकि देश भर के सरकारी मोदी सरकार के खिलाफ मतदान करेंगे।

**बड़ी संख्या में हुए शामिल**

रामलीला मैदान में आयोजित इस रैली को पेंशन शंखनाद महारैली का नाम दिया गया था। रैली में हजारों की संख्या में राज्य और केंद्र सरकार के कर्मचारी शामिल हुए थे। रविवार सुबह 11 बजे रामलीला मैदान खचाखच भरा हुआ था। बैठने की जगह नहीं होने की वजह से रामलीला मैदान की चारों तरफ की सड़क पर प्रदर्शनकारी नारेबाजी करते दिखे। रैली की वजह से दिल्ली वालों को ट्रांफिक जाम की समस्या से भी दो चार होना पड़ा।

**पत्रकार के काम में बाधा, दुर्व्यवहार, धमकी देने वालों पर होगी कठोर कार्रवाई, मिलेगी सजा**

परिवहन विशेष। एसडी सेटी। हाईकोर्ट ने पत्रकारों के सम्मान को सुरक्षित करने के उद्देश्य से बताया कि पत्रकार स्वतन्त्र हैं। उनके साथ गलत व्यवहार करने वालों पर तुरंत कानूनी कार्यवाही हो। हाईकोर्ट को टिप्पणी के बाद पीएम का भी ऐलान आया है। उन्होंने कहा कि पत्रकारों से अभद्रता करने वालों पर 50000 हजार का जुर्माना एवं पत्रकारों से बदसलूकी करने करने पर 3 साल की जेल हो सकती है। पत्रकारों को धमकाने वाले को 24 घंटों के अंदर जेल भेज दिया जाएगा। इसके अलावा पत्रकारों को धमकी के आरोप में गिरफ्तार लोगों को आसानी से जमानत भी नहीं मिलेगी। अराजक तत्व सुधार करें।



# सांसद रमेश बिधूड़ी ने श्रमदान कर मनाया 'स्वच्छता अभियान', लोगों को किया जागरूक

प्रतिदिन निकलने वाले कूड़े के निस्तारण हेतु वेस्ट कंपैक्टर प्लांट का किया उद्घाटन, स्वच्छता व्यवस्था दुरुस्त रखने में अहम भूमिका अदा करने वाले सफाई कर्मचारियों को किया सम्मानित

दिलीप देवतवाल

**नई दिल्ली।** माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के जन्मदिवस 17 सितंबर से प्रारंभ सेवा पखवाड़े के अंतर्गत आज 01 अक्टूबर को महात्मा गांधी जयंती से पूर्व दक्षिणी दिल्ली सांसद श्री रमेश बिधूड़ी ने अम्बेडकर नागर विधान सभा स्थित मदनमोर सेन्ट्रल मार्केट में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ स्वच्छता अभियान चलाया। जहाँ सांसद रमेश बिधूड़ी ने कूड़ा-कचरा ग्रस्त स्थलों पर सफ-सफाई कर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया।

इसी कड़ी में बिधूड़ी ने वसंत कुंज वाडर में निगम पावर्ड जगमोहन महालावत के प्रयास से प्रतिदिन निकलने वाले कूड़े के निस्तारण हेतु वेस्ट कंपैक्टर प्लांट का उद्घाटन किया। इस दौरान निगम उपायुक्त दक्षिण क्षेत्र श्रीमती एंजेल भाटी एवं श्रीमती अमीना तलवार,

श्रीमती स्नेहलता राठी, श्री हरिशंकर, शैलू एवं मण्डल अध्यक्ष श्री हनी गौड़ियाल सहित क्षेत्र के सम्मानित निवासी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर सांसद रमेश बिधूड़ी ने उपस्थित लोगों को अपने आस-पास व गली-मोहल्ले में सदैव स्वच्छता बनाए रखने और अपने आस-पड़ोस में रहने वाले लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक व प्रेरित करने की शपथ दिलवाई। इसके बाद बिधूड़ी ने क्षेत्र में स्वच्छता व्यवस्था दुरुस्त रखने में अहम भूमिका अदा करने वाले सफाई कर्मचारियों को सम्मानित किया। इस दौरान क्षेत्र में स्वच्छता को लेकर आयोजित नुकड़ नाटक के माध्यम से भी क्षेत्रवासियों को स्वच्छता के महत्व को समझाया गया और महात्मा गांधी जी के स्वच्छता संदेश को जन-जन को अपनाने की अपील की गई।





# एसओएल में यूजी दाखिले का बना रिकॉर्ड, 20 अक्टूबर तक बढ़ी दाखिला की तारीख, पहले थी 30 सितंबर

इस बार स्नातक स्तर' पर ही शनिवार तक 1 लाख 32 हजार 449 दाखिले हो गए हैं। जबकि शनिवार को ही दाखिले की तिथि को बढ़ाकर 20 अक्टूबर तक कर दिया गया है। ऐसे में दाखिले का आंकड़ा 1.75 लाख तक पहुंच सकता है।

दिल्ली विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग ( एसओएल ) में इस बार स्नातक कोर्सेज में दाखिले का रिकॉर्ड बन गया है। इस बार स्नातक स्तर पर ही शनिवार तक 1 लाख 32 हजार 449 दाखिले हो गए हैं। जबकि शनिवार को ही दाखिले की तिथि को बढ़ाकर 20 अक्टूबर तक कर दिया गया है। ऐसे में दाखिले का आंकड़ा 1.75 लाख तक पहुंच सकता है।

एसओएल में औसतन हर साल 1.20 लाख से 1.25 लाख तक दाखिले होते रहे हैं। बीते साल यूजी-पीजी मिलाकर 1.18 लाख दाखिले हुए थे। एसओल में दाखिला प्रक्रिया 14 जून से शुरू हुई थी। कृतिव साढ़े तीन महीने की दाखिला प्रक्रिया के दौरान छात्रों से अच्छा रिसर्पांस मिला है। कैपस ऑफ ओपन लर्निंग की निदेशक प्रो पायल मागो ने बताया कि 30 सितंबर तक हमारे स्नातक कोर्सेज में ही 1 लाख 78, 342 पंजीकरण हो चुके हैं। इनमें से एक लाख 32 हजार 449 छात्रों ने फीस का भुगतान कर दाखिला पक्का कर लिया।



इतने ज्यादा दाखिले होना एक रिकॉर्ड है। जबकि दूरस्थ शिक्षा बोर्ड( डीईबी ) ने दाखिले की अंतिम तिथि को 20 अक्तूबर तक बढ़ा दिया है। प्रो. पायल कहती हैं कि हमारे यहां हर साल करीब एक लाख 20 हजार से एक लाख 25 हजार दाखिले होते हैं। बीते साल यूजी व पीजी मिलाकर एक लाख 18 हजार दाखिले हुए थे। कोरोना महामारी के बाद से वैसे भी दाखिले कम हो रहे थे।

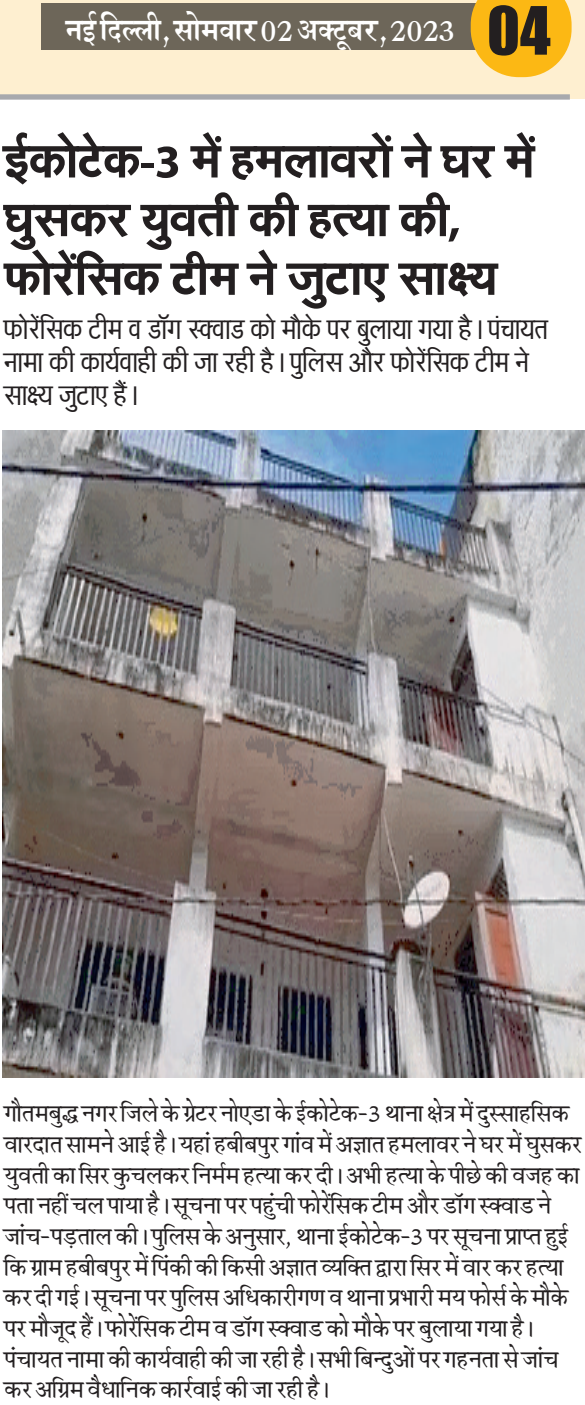
लेकिन एसओएल में नए कोर्सेज शुरू करने का लाभ मिला है। बीबीए, बीएमएस, कंप्यूटर साइंस व साइकोलॉजी कोर्सेज के कारण इस बार दाखिलों की संख्या में इजाफा हुआ है। बीते कुछ सालों में छात्रों की रुचि यहां दाखिला लेने को लेकर बढ़ी है। प्रो. मागो ने कहा कि दाखिला लेने की अंतिम तिथि 30 सितंबर थी, लेकिन अब तिथि बढ़ने से उम्मीद है कि यह संख्या 1.75 लाख तक पहुंच जाएगी। वह भी एक रिकॉर्ड होगा। पहले दाखिला लेने की अंतिम तिथि 31 अगस्त थी, जिसे बढ़ाकर 30 सितंबर किया गया था।

**सबसे ज्यादा बीए प्रोग्राम में दाखिले**

एसओएल के स्नातक स्तर के 11 कोर्सेज में बीए प्रोग्राम में ही सर्वाधिक दाखिले हो रहे हैं। अब तक 86718 ने पंजीकरण कराया है। इनमें से 69423 ने फीस जमा करा कर दाखिला पक्का कर लिया है। इस प्रोग्राम की योग्यता सिर्फ बारहवीं में पास होना है, इसलिए भी इसमें दाखिले ज्यादा हुए हैं। वहीं बीकॉम में

गई है। दूसरे स्पोर्ट राउंड में भी विभिन्न कॉलेजों व विभागों में सभी श्रृंणियों में कुछ सीटें खाली हैं। अब रविवार से छात्रों को अपग्रेड करने की सुविधा मिलनी शुरू होगी। तीन अक्तूबर से इन सीटों के लिए सीट का आवंटन किया जाएगा।

विभिन्न कॉलेजों व विभागों में कुछ एक कोर्सेज में तो सामान्य श्रेणी के लिए एक से छह तक ही सीटें खाली हैं। सामान्य श्रेणी के लिए एनसीवेब में ही सबसे ज्यादा सीटें खाली हैं। एनसीवेब ( नॉन कॉलिजियेट वूमेंस एजुकेशन बोर्ड ) के मास्टर ऑफ आर्ट्स ( इंस्ट एशियन स्टडी ) में 10, मास्टर ऑफ आर्ट्स बंगाली में 28, मास्टर ऑफ आर्ट्स पंजाबी में 21, फिलॉस्फी में 16, संस्कृत में 26, उर्दू में 27, अरबी में 29, हिंदी में चार सीटें खाली हैं। इसी तरह



## ईकोटेक-3 में हमलावरों ने घर में घुसकर युवती की हत्या की, फोरेंसिक टीम ने जुटाए साक्ष्य

फोरेंसिक टीम व डॉंग स्क्वाड को मौके पर बुलाया गया है। पंचायत नामा की कार्यवाही की जा रही है। पुलिस और फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए हैं।



गौतमबुद्ध नगर जिले के ग्रेटर नोएडा के ईकोटेक-3 थाना क्षेत्र में दुस्साहसिक वारदात सामने आई है। यहां हबीबपुर गांव में अज्ञात हमलावर ने घर में घुसकर युवती का सिर कुचलकर निर्मम हत्या कर दी। अभी हत्या के पीछे की वजह का पता नहीं चल पाया है। सूचना पर पहुंची फोरेंसिक टीम और डॉंग स्क्वाड ने जांच-पड़ताल की। पुलिस के अनुसार, थाना ईकोटेक-3 पर सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम हबीबपुर में पिंगी की किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा सिर में वार कर हत्या कर दी गई। सूचना पर पुलिस अधिकारीगण व थाना प्रभारी मय फोर्स के मौके पर मौजूद हैं। फोरेंसिक टीम व डॉंग स्क्वाड को मौके पर बुलाया गया है। पंचायत नामा की कार्यवाही की जा रही है। सभी निन्दुओं पर गहनता से जांच कर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

# लखनऊ आईटीआई के रोजगार मेले में 10 हजार से ज्यादा लोगों को मिलेंगे रोजगार

| परिवहन विशेष न्यूज                                                                                                                                                                                                                         |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                         |                                                                                                                                                                            |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                 |
|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| प्राचार्य राज कुमार यादव के अनुसार मंगलवार, 3 अक्टूबर 2023 को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, अलीगंज, लखनऊ में वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। मेले में 73 कंपनियों के प्रतिनिधियों द्वारा 10,039 पदों पर का चयन किया जायेगा। | 05. लावा इंटरनेशनल लि., नोएडा<br>06. याजाकी इंडिया लि., बैंगलोर<br>07. हिंदुस्तान यूनिलीवर लि., हमीरपुर<br>08. स्विगी जोमैटो, लखनऊ<br>09. सीएनएच इंडस्ट्रियल प्रा. लि. (न्यू हॉर्लैंड), नोएडा<br>10. मिकी फोन प्रा. लि., ग्रेटर नोएडा<br>11. अल्फासाइन टेक्नोलॉजी प्रा. लि., लखनऊ<br>12. साईं ऑटो कंपोनेंट्स प्रा. लि., फरीदाबाद<br>13. ईपीएल लि., गुजरात, हिमाचल प्रदेश, नालागढ़<br>14. रॉकमैन इंडस्ट्रीज लिमिटेड, लुधियाना, पंजाब<br>15. इंड-स्प्रिंक्स लिमिटेड, लुधियाना, पंजाब<br>16. माइक्रोमैक्स मोबाइल ( भगवती प्रोडक्ट्स लि. ), भिवंडी, राजस्थान<br>17. एयरटेल लि., लखनऊ<br>18. सारथी मोटर्स लि., लखनऊ<br>19. आलसेक टेक्नोलॉजी लि., नोएडा<br>20. सहाना क्लोथिंग, तिरुपुर ( तमिलनाडु )<br>21. पेटोएम प्रा. लि., ऑल यूपी<br>22. रेडिएंट पॉलिमर्स प्रा. लि., अहमदाबाद, गुजरात<br>23. सम्वर्धन मोथरसन ऑटो कंपोनेंट्स, बावल, हरियाणा<br>24. एलआरपी कैप्टिवेटर्स प्रा. लि., नोएडा<br>25. यूके. बी. इलेक्ट्रॉनिक्स प्रा. लि., नोएडा<br>26. अमेज़न, अहमदाबाद ( गुजरात ) |   | 27. स्ट्याफ़व टेक्नोलॉजी प्रा. लि., लखनऊ<br>28. श्रीराम लाइफ इंश्योरेंस, लखनऊ<br>29. गोकुलदास एक्सपोर्ट्स लि., बैंगलोर<br>30. वेलस्पन इंडिया प्रा. लि., गुजरात<br>31. एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, लखनऊ<br>32. शाही एक्सपोर्ट, बैंगलोर<br>33. मदरसन सुमी सिस्टम इंडिया लि., अहमदाबाद, गुजरात<br>34. सीबीएस सॉल्यूशन्स प्रा. लि., ऑल यूपी<br>35. तायार इंडस्ट्रीज लि., गुजरात<br>36. पीपीएपी ऑटोमोटिव लि., गुजरात<br>37. लुमेक्स इंडस्ट्रीज लि., अहमदाबाद, गुजरात<br>38. डिक्सन टेक्नोलॉजीज इंडिया लिमिटेड, नोएडा<br>39. न्यूएलन बेरी प्राइवेट लिमिटेड, फरीदाबाद, हरियाणा<br>40. ग्राजियानो ट्रांसमिशन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रेटर नोएडा<br>41. लुलु मॉल, लखनऊ<br>42. याजाकी इंडिया लिमिटेड, बैंगलोर/अहमदाबाद<br>43. फिलफकार्ट, लखनऊ<br>44. रेट्रोफिट टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड, ऑल यूपी<br>45. अडेको, ऑल उप<br>46. हायर एप्लायंसेज<br>47. नवनीत एजुकेशन, शिलवासा / महाराष्ट्र<br>48. स्टार इंजीनियर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, पुणे<br>49. रेन एनएसके, बावल, हरियाणा<br>50. वेडेक्सो टेक्नोलॉजी सोल्यूशन्स प्राइवेट लिमिटेड, ग्रेटर नोएडा<br>51. डायमंड प्लेसमेंट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड लखनऊ<br>52. सप्तरश्मि प्रॉपर्टी, लखनऊ<br>53. वी जी ऑटोकैम्पोनेंट प्राइवेट लिमिटेड, |

## मृतकों की शिनाख्त मुकुंदपुर निवासी हिमांशु (18) और मुकुंदपुर जनता विहार निवासी आजाद (18) के रूप में हुई है।

# दिल्ली वाली 'गर्लफ्रेंड': लड़की से बात करने को लेकर दो गुट भिड़े, दो की मौत; सीमा विवाद पर पुलिस भी घंटों उलझी

दिल्ली के भलस्वा डेयरी इलाके में गर्लफ्रेंड से बातचीत करने को लेकर हुए विवाद में दो गुट आपस में भिड़ गए। दोनों गुटों के बीच हुई चाकूबाजी में दोनों पक्षों के एक-एक युवक की मौत हो गई। एक युवक का बड़ा भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने घायल युवक के बयान पर हत्या और हत्या का प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले में फरार आरोपियों की तलाश कर रही है। घटना के बाद भलस्वा डेयरी और बुराडी थाना पुलिस के बीच सीमा विवाद हो गया। इसकी वजह से तीन घंटे तक युवक का शव घटनास्थल पर पड़ा रहा। मृतकों की शिनाख्त मुकुंदपुर निवासी हिमांशु (18) और मुकुंदपुर जनता विहार निवासी आजाद (18) के रूप में हुई है। आजाद का भाई वीरेंद्र (21) घायल हो गया।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि शनिवार रात करीब 9.45 बजे भलस्वा डेयरी के समता विहार नाले पर झगड़ा और हत्या किए जाने की जानकारी मिली। सूचना मिलते ही भलस्वा डेयरी और बुराडी थाने की पुलिस मौके पर पहुंच गई। घायल वीरेंद्र और उसके भाई आजाद को पीसीआर अस्पताल लेकर जा चुकी थी। वहीं हिमांशु का शव वहां पड़ा हुआ था। घटनास्थल के सीमा को लेकर बुराडी और भलस्वा थाने में विवाद चलता रहा। आला अप्सरों के हस्तक्षेप के बाद करीब तीन घंटे बाद भलस्वा डेयरी थाना पुलिस ने हिमांशु का शव कब्जे में लेकर



पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उसके बाद पुलिस बाबू जगजीवन राम अस्पताल पहुंची। जहां पता चला कि आजाद ने भी दम तोड़ दिया है।

**शनिवार दोपहर को हुआ था झगड़ा**

घायल वीरेंद्र ने बताया कि शनिवार दोपहर उसके छोटे भाई आजाद और हिमांशु के छोटे भाई के बीच झगड़ा हुआ था। रात करीब 9.30 बजे हेमू अपने दो तीन दोस्तों और भाई हिमांशु के साथ आजाद से झगड़ा करने लगा। इस दौरान उन लोगों ने आजाद पर चाकू से हमला कर दिया। उसने बीच बचाव का प्रयास किया तो हमलावरों ने उसे भी चाकू मारकर घायल कर दिया।

**गर्लफ्रेंड से बात करने को लेकर हुआ विवाद**

शुरुआती जांच में पता चला कि हिमांशु के भाई हेमू और आजाद के बीच एक लड़की से बातचीत को लेकर विवाद हुआ था। दोनों एक ही लड़की से बात करते थे। शनिवार दोपहर हेमू

जानकारी मिली।

**मंगलवार को होना था हिमांशु का ऑपरेशन**

हिमांशु के परिवार वालों ने बताया कि मंगलवार को उसके जबड़े का ऑपरेशन होने वाला था। वह फिलहाल 12वीं कक्षा की परीक्षा दे रहा था। उसके चाचा ने बताया कि दो सितंबर को हिमांशु सड़क हादसे में घायल हो गया था। उसका जबड़ा टूट गया था। उसका इलाज चल रहा था। मंगलवार को उसके जबड़े का ऑपरेशन होने वाला था।

**भाई पर हमला होने के दौरान पहुंचा वीरेंद्र**

18 साल का आजाद पेशे से कारपेंटर था। घर में 50 साल के पिता विनोद, मॉरिंकू देवी, बड़ा भाई वीरेंद्र व एक बहन है। परिवार मूल रूप से बिहार का रहने वाला है। वारदात में जखमी आजाद के बड़े भाई वीरेंद्र ने पुलिस को बताया कि घटना के समय वह पास ही में दोस्त के घर पर था। इसी दौरान झगड़े का शोर सुना। जब वह पहुंचा तो देखा कि काफी भीड़ है और तीन चार लड़के उसके छोटे भाई आजाद को चाकू से गोद रहे थे।

**नशे का चलता है कारोबार**

स्थानीय लोगों का आरोप है कि इस इलाके में धड़ल्ले से नशे का कारोबार चल रहा है। दो जिलों की सीमा होने की वजह से पुलिस असामाजिक गतिविधि करने वालों पर कोई कार्रवाई नहीं करती है।

# युवक ने लिवइन पार्टनर का पहले रेता गला, फिर शरीर पर मारे इतने चाकू डॉक्टरों को लगाने पड़े 850 टांके

पुलिस ने भारत से पूछताछ की तो उसने बताया कि उसकी बहन अपने पति से अलग रहती थी और रिकू नामक युवक के साथ कई सालों से लिव इन में रह रही थी। रिकू उस पर शक करता था।



रविंद्र सिंह यादव ने बताया कि 15 अप्रैल को भारत नामक युवक ने अपनी बहन को चाकू मारने की सूचना रूप नगर थाना पुलिस को दी थी। महिला का गला रेतने के अलावा उसके शरीर पर दर्जनों चाकू के निशान थे। महिला को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया।

पुलिस ने भारत से पूछताछ की तो उसने बताया कि उसकी बहन अपने पति से अलग रहती थी और रिकू नामक युवक के साथ कई सालों से



# तमिलनाडु ने नौ महीने से भी कम समय में 10 लाख ईवी का आंकड़ा कर लिया पार

भारत की इलेक्ट्रिक वाहन की बिक्री साल 2023 में नौ महीनों से भी कम वक़्त में 10 लाख का आंकड़ा पार कर गई। इस बिक्री में तमिलनाडु के विनिर्माण सुविधाओं वाले मूल उपकरण विनिर्माताओं का 40 प्रतिशत से अधिक का योगदान रहा। तमिलनाडु की तीन कंपनियों ने 4,10,000 से अधिक गाड़ियाँ बेचीं। इसमें ओला इलेक्ट्रिक, टीवीएस मोटर, एथर एनजी और एम्पीयर व्हीकल्स जैसी बड़ी कंपनियाँ शामिल हैं। प्रदेश सरकार के अनुसार यह अभी और बढ़ेगा क्योंकि सरकार को साल 2025 तक ईवी विनिर्माण में 50 हजार करोड़ रुपये के निवेश की उम्मीद है। इससे 1.5 लाख नौकरियाँ भी पैदा होंगी। एक सरकारी बयान में कहा गया है, 'ईवी क्षेत्र फोकस क्षेत्र बनने के लिए तैयार है। यह सतत विकास के लक्ष्यों को हासिल करने की दिशा में क्रांति का मार्ग प्रशस्त करेगा।' सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के वाहन डैशबोर्ड के अनुसार, क्षेत्रीय परिवहन कार्यालयों ने इस साल 20 सितंबर तक 10,44,600 ईवी का पंजीकरण किया था। इनमें से तमिलनाडु में 4,14,802 वाहनों का उत्पादन हुआ था। यह उपलब्धि नौ महीनों में ही हासिल कर ली गई जबकि कैलेंडर वर्ष 2022 में पूरे साल 10,54,00 ईवी की बिक्री हुई थी।

खास बात है कि शीर्ष तीन कंपनियाँ तमिलनाडु के कृष्णागिरी जिले की हैं, जिससे भारत की ईवी राजधानी कहा जाता है। ओला इलेक्ट्रिक ने 1,75,608 गाड़ियाँ, टीवीएस मोटर ने करीब 1,12,949 गाड़ियाँ और एथर एनजी ने करीब 77,764 गाड़ियों की बिक्री की। सोमवार तक वाहन पोर्टल पर बिक्री संख्या बढ़कर 10,63,812 हो गई। अन्य प्रमुख कंपनियों में रानीपेट की एम्पीयर व्हीकल्स (ग्रीन्स इलेक्ट्रिक) ने 41,757 गाड़ियाँ बेचीं।



कांचीपुरम की बीवाईडी इंडिया ने 1,725, तिरुवल्लुवर की स्टेलेटिस (पीसीए ओटोमोबाइल्स) ने 1,533, कोयंबतूर की ई-रॉयस मोटर्स ने 1,242, कांचीपुरम की हुंडे मोटर इंडिया ने 1,023, चेंगलपट्टु की रीप मोटर्स ने 810 गाड़ियाँ और तिरुवल्लुवर की ही टीआई क्लीन मोबिलिटी ने 391 गाड़ियों की बिक्री की। भारत की वाहन राजधानी और शीर्ष 10 वैश्विक वाहन केंद्रों में से एक के रूप में ख्यात तमिलनाडु अब दुनिया की ईवी राजधानी बनने पर ध्यान दे रही है। बयान में

कहा गया है कि तमिलनाडु में पहले से ही समृद्ध वाहन विनिर्माण परिवेश के साथ सरकार की दूरदर्शिता के कारण साल 2023 में प्रदेश में ईवी नीति की शुरुआत हुई। कोयंबतूर, तिरुचिरापल्ली, मदुरै, सेलम और चेन्नई जैसे तमिलनाडु के शहरों को ईवी हब के रूप में जाना जाता है। इस क्षेत्र को सहायता देने वाले कुछ प्राकृतिक लाभों में अत्यधिक सक्षम, प्रशिक्षित कार्यबल की विशाल उपलब्धता, एक उत्कृष्ट नेटवर्क और सहायक

आपूर्तिकर्ताओं की आपूर्ति श्रृंखला, वाहन और कलपुर्ज विनिर्माण परिवेश और तमिलनाडु के उत्कृष्ट बुनियादी ढांचे और लॉजिस्टिक प्रणाली शामिल हैं। ईवी क्षेत्र की वृद्धि में तमिलनाडु इलेक्ट्रिक वाहन नीति, 2023 का भी योगदान है। इस नीति का लक्ष्य ईवी परिवेश को बढ़ावा देना, ईवी कल पुर्जों, खासकर सेल प्रौद्योगिकियों, बैटरी और चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर को और अधिक सुविधाजनक बनाना है।

(प्रस्तुतकर्ता:- ईवी मिडिया ईवी ड्राइव)

## महिंद्रा की नई इलेक्ट्रिक कार ने कर दिखाया ये बड़ा कारनामा! जानकर उछल पड़ेंगे आप



नई दिल्ली। कार मार्केट में देसी कार मेकर कंपनी महिंद्रा ऐंड महिंद्रा अपने ईवी पोर्टफोलियो को विस्तार करने पर काम कर रही है। जिससे कंपनी लगातार अपनी गाड़ियों को टेस्टिंग में डाल रही है। इस कड़ी में कंपनी ने अपने इलेक्ट्रिक पोर्टफोलियो का में से एक इलेक्ट्रिक कार का प्रोटोटाइप टेस्ट कर रही है। जिसमें बड़ा कारनामा देखने को मिला है। कंपनी इसे जबरदस्त रेंज में लॉन्च करने वाली है। दरअसल हाल ही में कंपनी ईवी के प्रोटोटाइप की जबरदस्त रफ्तार का टीजर जारी किया है। जिस जो काफी वायरल हो गया है। हाल ही में कंपनी ने चेन्नई में SUV ट्रैक पर BE.05, XUV.e8 और XUV.e9 को 200 किमी/घंटा की रफ्तार में टेस्ट किया है, जिसका दौड़ते हुए एक टीजर भी जारी किया गया है। जो लोगों को काफी पंसद आ रहा है। वही महिंद्रा XUV.e9 प्रोटोटाइप को पहली बार भारत में देखा गया है।

महिंद्रा XUV.e9 को मिलेगा आकर्षक लुक

महिंद्रा अपने खास एसयूवी के लिए जानी जाती है, जिससे लुक और डिजाइन में खास मिलने वाला है, जिसससे XUV.e9 के डिजाइन की बात करें तो यह XUV.e8 के मुकाबले में में काफी स्मूथ और आकर्षक दिखती है। वही खबर है कि कंपनी इसे एयरोडायनामिक्स और कूपे प्रोफाइल टेस्ला मॉडल Y से प्रेरित बना रही है। खास बात ये है कि XUV.e9 के नए टीजर में XUV.e8 और BE.05 भी स्पीड के मामले में काफी आकर्षक दिखाती हुई नजर आई हैं। कंपनी ने आने वाली एक EV ने स्पीडोमीटर पर 200 किमी/घंटा को रफ्तार को छू लिया, जो एक ईवी के लिए एक माइस्टोन है।

महिंद्रा ईवी की रेंज लॉन्चिंग EVs

खबर है कि महिंद्रा इन के लिए फॉक्सवैगन से मोटर्स के साथ काम कर रही है, जिससे इन EVs इसकी फ्रंट मोटर सभी वाहनों में 107bhp की पावर और 135Nm का टॉर्क पैदा करने में सक्षम होगी। वही कंपनी इन ईवी में से सबसे पहले XUV.e8 दिसंबर में ला रही है, इसके बाद में 2024 के आस-पास XUV.e9 को अप्रैल को लॉन्च करेगी।

## होंडा ला रही ये पूरी 4 इलेक्ट्रिक कारें, देखें रेंज और फीचर्स

इंडियन मार्केट का ईवी सेगमेंट इतना बड़ा है। कि यहां पर विदेशी कंपनी अपने इलेक्ट्रिक कारों को लॉन्च करने की रुचि ले रही है। इस कड़ी में सेडान कारों के लिए मशहू कंपनी होंडा भी टाटा मोटर्स को टक्कर देने के लिए कड़ी तैयारी कर ली है। कंपनी एक के बाद एक चार इलेक्ट्रिक कर को लॉन्च करने वाली है। जिस हाल के फिलहाल फिलहाल के इवेंट में पेश किया था।

कंपनी वर्तमान में 4 नई इलेक्ट्रिक होंडा प्रोलॉग, एलिवेट इलेक्ट्रिक, e:NP2 और e:NS2 जैसी ईवर काम कर रही है, जिन्हें भारतीय बाजार में लॉन्च करने की योजना योजना है

**होंडा e:NS2 रेंज 300 किलोमीटर**

होंडा गायकिंडो इंडोनेशिया इंटरनेशनल ऑटो शो में अपनी होंडा e:NS2 इलेक्ट्रिक SUV कॉन्सेप्ट को पेश किया है, इसे एडवांस तकनीकी फीचर्स के साथ आधुनिक डिजाइन में पेश किया गया है, इसके टोयाइप के केबिन में बड़ी टचस्क्रीन, TFT मल्टी-इंफॉर्मेशन डिस्प्ले, ओवर द एयर (OTA3) की सुविधा दी गई है।

वही ये होंडा e:NS2 ईवी फुल चार्ज में यह गाड़ी करीब 300 किलोमीटर की रेंज देगी है।

**होंडा एलिवेट इलेक्ट्रिक रेंज 300 किलोमीटर**

होंडा कंपनी एलिवेट SUV के इलेक्ट्रिक वेरिएंट को ला रही है। बताया जा रहा है कि इसे मौजूदा एलिवेट के प्लेटफॉर्म पर ही बनाया जाएगा। फुल चार्ज में यह गाड़ी करीब 400 किलोमीटर तक की दूरी तय करने में सक्षम होगी। इसमें एयरबैग, ADAS तकनीक, हिल असिस्ट और पार्किंग कैमरा जैसे फीचर्स होंगे। खबर है कि कंपनी इसे 2025 में देश में लॉन्च करेगी।

**होंडा प्रोलॉग रेंज 450 किलोमीटर**

कंपनी 2022 में होंडा प्रोलॉग SUV में पेश किया था। कंपनी इसे ऑल-इलेक्ट्रिक कार को "अल्टियम" प्लेटफॉर्म पर बना रही है। इसमें मिलने वाली पावरफुल बैटरी पैक के बदौलत फुल चार्ज करने पर यह 300 से 450 किलोमीटर की दूरी तय करने में सक्षम होगी।

**होंडा e:NP2 रेंज 400 किलोमीटर**

होंडा भारतीय बाजार के लिए होंडा e:NP2 पर काम कर रही है। इस गाड़ी के प्रोडक्शन मॉडल को अगले साल लॉन्च करेगीयह एक बॉक्सी लुक वाली इलेक्ट्रिक गाड़ी होगी, जिसे सेगमेंट में होंडा एलिवेट इलेक्ट्रिक से ऊपर रखा जाएगा। वही कंपनी इसमें ड्यूल इलेक्ट्रिक मोटर का इस्तेमाल करेगी और ये ईवी भी करीब 400 किलोमीटर की रेंज मिल सकती है।



# टीवीएस एक्स ईवी स्कूटर या फिर ओला एस1एक्स कौन सा आपके लिए रहेगा बेस्ट ?, जानें कंपैरिजन

**ओला एस1 एक्स**

इस सुपर स्मार्ट स्कूटर में 3 kWh और 2 kWh दो बैटरी पैक मिलता है। इस स्कूटर में क्रूज कंट्रोल का फीचर मिलता है। यह स्कूटर 7.4 घंटे में फुल चार्ज हो जाता है। Ola S1 X बाजार में शुरुआती कीमत 79,999 हजार रुपये एक्स शोरूम में ऑफर किया जा रहा है। इसमें साइड स्टैंड अलर्ट और ब्ल्यूटूथ कनेक्टिविटी का फीचर मिलता है।

**ओला एस1 एक्स में तीन वेरिएंट और सात कलर ऑप्शन**

इस इलेक्ट्रिक स्कूटर के फ्रंट में टेलिस्कोपिक फोक और रियर में ट्विन शाक एब्जॉर्बर मिलते हैं, जिससे खराब रास्तों पर झटके नहीं लगते। स्कूटर का टॉप वेरिएंट 99,999 हजार रुपये में मिलता है। स्कूटर में 6000 पावर की मोटर दी गई है। Ola S1 X में तीन वेरिएंट और सात कलर ऑप्शन मिलते हैं। यह धांसू स्कूटर 90 kmph की टॉप स्पीड मिलती है। स्कूटर में डिस्क ब्रेक दिए गए हैं। इसमें ट्यूबलेस और 3.5-इंच एलसीडी कंसोल मिलता है।

**टीवीएस एक्स इलेक्ट्रिक स्कूटर**

यह स्कूटर 105 kmph की टॉप स्पीड देता है। इसमें 7000 वॉट की मोटर पावर मिलती है। यह दमदार स्कूटर एक बार फुल चार्ज होने पर 140 km तक चलता है। TVS X Electric Scooter सड़क पर 40 Nm का पीक टॉर्क मिलता है। स्कूटर में 1 वेरिएंट और 1 ही कलर ऑप्शन मिलता है। स्कूटर में स्मार्ट कंसोल दिया गया है। यह स्कूटर 3 घंटे 40 मिनट में करीब 80 फीसदी तक चार्ज हो जाता है।

**स्कूटर में जियोफेंसिंग के साथ नेविगेशन का फीचर**

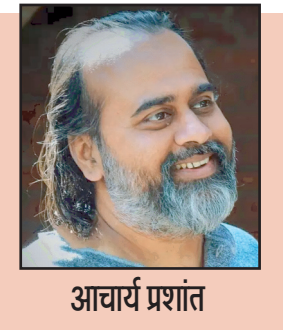
स्कूटर में जियोफेंसिंग के साथ नेविगेशन का फीचर मिलता है। यह स्कूटर 4.44 kWh की बैटरी पैक के साथ मिलता है। 4 TVS X Electric Scooter महज 4.5 सेकंड में 0 से 60 kmph की स्पीड पकड़ लेता है। बाजार में 2,49,990 लाख रुपये एक्स शोरूम प्राइस में मिलता है। इसे एल्यूमीनियम ट्विन-स्पार फ्रेम में बनाया गया है। स्कूटर में 10.25-इंच का अट्रैक्टिव TFT कंसोल मिलता है।



मार्केट में इलेक्ट्रिक स्कूटरों की हाई डिमांड है। इसी सेगमेंट में हाल ही में टीवीएस ने अपना नया स्कूटर टीवीएस एक्स लॉन्च किया है। यह स्कूटर ओला के एसवन एक्स को टक्कर देता है। ओला एक बार फुल चार्ज होने पर 151 किमी. की ड्राइविंग रेंज देता है। वहीं, टीवीएस में अट्रैक्टिव 12-इंच के अलॉय व्हील मिलते हैं।



# गांधी जयंती विशेष: मत मानों उनके आदर्शों को, लेकिन उनको एक बार ठीक से पढ़ लो



आचार्य प्रशांत

मैनचेस्टर से जाकर

पूछो कि गांधी का

वहां क्या नाम था

और क्या छवि थी।

गांधी कहते थे कि

यह सब व्यापारी हैं,

सभी पैसे के भूखे हैं।

इन्हें भारत से जो

पैसा मिल रहा है,

भारत को लूट-लूट

कर के लंदन मोटा

रहा है। मैं भारत की

लूट रुकवाऊंगा।

और उस लूट को

रुकवाने के लिए ही

उन्होंने यह सब

रास्ते चुने, चाहे खादी

हो या नमक

सत्याग्रह हो।

एक साधारण व्यक्ति जो पहले दक्षिण अफ्रीका जाता है, और वहां कुछ बातें समझता है, सीखता है। तमाम उसकी सीमाएं और कोई बहुत नैसर्गिक प्रतिभा का धनी नहीं था। अधिकारियों के सामने खड़े हो जाते तो अपनी बात रखना मुश्किल हो जाता था। खुद ही बोलते हैं कि आवाज नहीं निकलती थी, आत्मविश्वास की इतनी कमी थी, ऐसा व्यक्तित्व था गांधी का। लेकिन दक्षिण अफ्रीका में देखा कि कुछ अन्याय हो रहा है तो उसके खिलाफ खड़े हो गए। उनकी प्रैक्टिस अच्छी चल रही थी और फिर विदेश में ही उनका व्यवसाय भी काफी अच्छा चलने लगा, लोगों से सम्मान भी मिलने लगा।

इतना सब हासिल करने के बावजूद भी वे भारत लौट आते हैं और पहले कुछ साल बस चुपचाप समझने की कोशिश करते हैं कि यहाँ हो क्या रहा है और जब समझते हैं क्या हो रहा है, तो कहते हैं कि मैं अपना ये सूट, कोट पैट पहन कर इन लोगों के पास जाऊँ कैसे? बोले अब इनके पास अगर जाना ही है तो इन्हीं के जैसा हो कर जाऊंगा, दरिद्रनाथ की सेवा में लगना है तो कैसे मैं उसके सामने अंग्रेज बन के खड़ा हो जाऊँ। ऐसे इंसान थे वे।

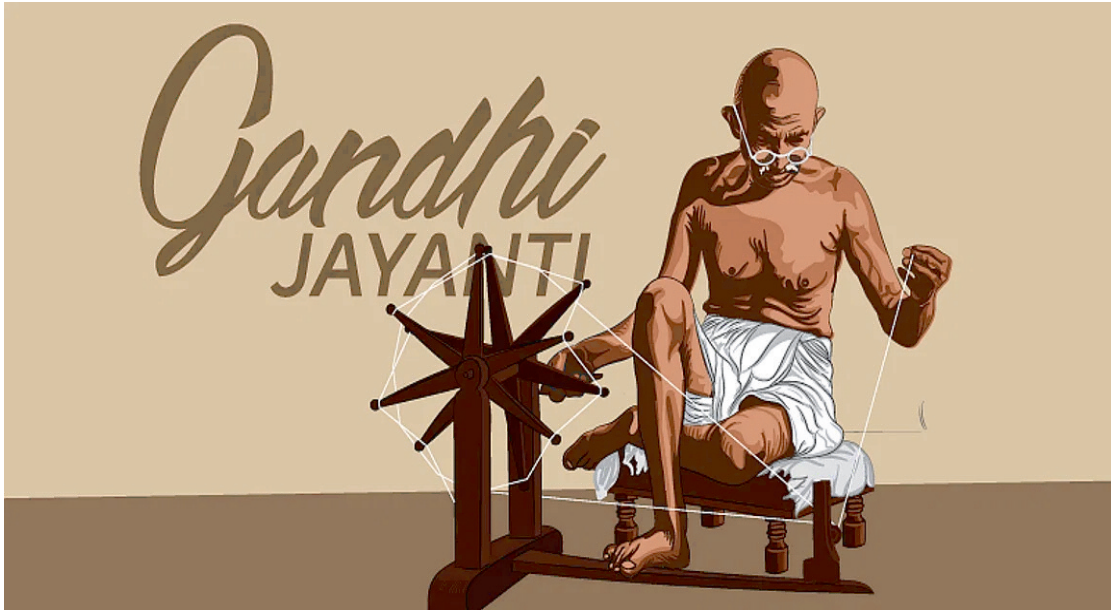
जरा आज से ठीक सौ साल पहले के भारत में जाना, 1922 के भारत में। और सौ साल पहले के ब्रिटेन को सोचना जहाँ कभी सूरज अस्त नहीं होता था, जिन्होंने जर्मनी को एक नहीं दो बार परास्त करा था। ऐसे गुलाम भारत में क्या कोई इंसान हिंसा के लिए यहाँ के दुर्बल, दरिद्र लोगों को अंग्रेजों के खिलाफ लड़ने के लिए तैयार कर सकता था? स्वयं भारतीय क्या तैयार थे इसके लिए?

भारत से जो कच्चा माल निर्यात होता था उसमें बहुत ज्यादा अनुपात में सब ब्रिटेन की टेक्सटाइल इंडस्ट्री के लिए ही इस्तेमाल होता था। और उसकी जो एक्पोर्ट डेस्टिनेशन थी वो भारत थी। जैसे आज का अमेरिका है, उससे लगा लो दस गुना ज्यादा ताकतवर तब का ब्रिटेन था। अंग्रेजों को जबर्दस्त चोट दी थी गांधी ने।

ये तो विदेशी कपड़ों की होली जलाया करते थे। कोई हल्की चीज नहीं थी यह। मैंनेचेस्टर से जाकर पूछो कि गांधी का वहां क्या नाम था और क्या छवि थी।

गांधी कहते थे-

यह सब व्यापारी हैं, सभी पैसे के भूखे हैं। इन्हें भारत से जो पैसा मिल रहा है, भारत को लूट-लूट कर के लंदन मोटा रहा है। मैं भारत की



लूट रुकवाऊंगा। और उस लूट को रुकवाने के लिए ही उन्होंने यह सब रास्ते चुने, चाहे खादी हो या नमक सत्याग्रह हो। जो उनके पुरे विरोधी थे वो भी कभी यह नहीं कह पाए कि बंदा हल्का है, चर्चिल को कोफ्त थी गांधी से।

कभी गुगल करके राउंड टेबल कॉन्फ्रेंस लंदन की देखिएगा वहां वो सारे बैठे हुए हैं सूट ही नहीं गर्म सूट पहनकर के और उनके बीच में बैठे एक नंगे आदमी ने बाकी सब में हीन भावना भर दी थी, ठंड नहीं लग रही और यह एक मोरल वेपन (नैतिक हथियार) था जिसका उन्होंने इस्तेमाल किया, जैसे कह रहे हो-

अरे मैं भारतीय हूँ और अकेला हूँ, मेरे पास संख्या नहीं है, मेरे पास बल नहीं है, मेरे पास पैसा भी नहीं है लेकिन देखो मेरे सामने तुम सब लज्जाएं बैठे हो।

कौन कह रहा है कि गांधी को तुम देवता या भगवान का दर्जा दे दो, लेकिन इंसान को इंसान की तरह तो देखो न। मरने के बाद उनके चरित्र का नाश कर रहे हो, ये बिल्कुल शोभा नहीं देता। सौ उनमें खोत थी, कौन इंकार कर सकता है लेकिन उनसे कोई बेहतर अगर था तो वहां खड़ा हो जाता देशवासी उसके साथ चल देते गांधी, पर कोई खड़ा नहीं हुआ। गांधी को महात्मा इस देश ने बनाया है तो अगर हमें गांधी की प्रसिद्धि इत्यादि की समस्या है तो दोष

देशवासियों को देना चाहिए, गांधी को नहीं।

देशवासियों को प्यार हो गया था गांधी से, वे स्वयं तो लोगों से मुहब्बत की भीख नहीं मांग रहे थे। लोगों को अच्छा लगता था 12 हड्डी का आदमी चला आ रहा है और तेजी से चल रहा है और चलता ही जा रहा है, रुकते ही नहीं। एक गांव से दूसरे गांव भाग रहा है, ये कर रहा है, वो कर रहा है। लोगों को बड़ा अच्छा लगा, दोष देना है तो देशवासियों को दो।

उन्होंने थोड़े ही कहा था मुझे महात्मा बोले। वो भारतवासियों के लिए आमरण अनशन पर बैठे थे चर्चिल के खिलाफ। रविन्द्रनाथ थे जिन्होंने महात्मा की उपाधि दे दी थी उनको। क्या बापू भी उन्होंने खुद को ही बोल दिया था? क्या राष्ट्रपिता उन्होंने स्वयं को घोषित करा था? राष्ट्रपिता उन्हें सुभाष चंद्र बोस ने बोला था। अब आप ऐसे विवाद करते हो जैसे वो चाह रहे हों कि उन्हें महात्मा माना जाए, और हम कह रहे हैं, "नहीं, फरेब हुआ है। यह महात्मा नहीं है, और जो सही है, सराहनीय है, उन पर एक बार तो विचार करो, उसका असली मूल्य समझो। मत चलो उनके सिद्धांतों पर, मत मानो उनके आदर्शों को, लेकिन उनको एक बार ठीक से पढ़ लो, जान लो, वैसे कोई आदमी आज भी खड़ा हो जाए तो सबको बहुत अच्छा लगेगा, आसान नहीं होता गांधी बनना।

बिबकुल गलत है। और वो कौन है जो गांधी पर कीचड़ उछाल रहे हैं, उनका अपना क्या स्थान है, किस स्तर के लोग हैं वो? गांधी से

नई दिल्ली, सोमवार 02 अक्टूबर, 2023

06

संपादक की कलम से

आपदा राहत की चादर

अंततः हिमाचल सरकार ने अपने सीमित संसाधनों को निचोड़ कर आपदा राहत की चादर बिछाई है। वित्तीय मदद की एक नई परिपाटी खड़ी करके सुबुख सरकार ने कुल 4500 करोड़ का आपदा राहत पैकेज बनाया है, जिसमें से सरकार 3500 करोड़ अपने संसाधनों से, जबकि 1000 करोड़ मनरेगा के तहत खर्च करेगी। आईदा साधारण नुकसान की वित्तीय मदद के लिए भी एक लाख तक का प्रावधान हो रहा है, जबकि पूरी तरह क्षतिग्रस्त इमारतों को सरकार सात लाख तक का राहत प्रबंध कर रही है। सात जुलाई से तीस सितंबर के दौरान क्षतिग्रस्त मकानों, दुकानों या अन्य संपत्तियों को यह धन उपलब्ध होगा। इससे पहले सरकार अपने तौर पर कैद के पास बार-बार यह फरियाद करती रही है कि राज्य में आई आपदा को राष्ट्रीय घोषित करके राहत पैकेज निर्धारित किया जाए, लेकिन हिमाचल की मदद में अब तक मोदी सरकार का पैगाम नहीं आया है। एक अनुमान के अनुसार नुकसान की एक लंबी कहानी निजी तौर पर ही सोलह हजार के करीब भवनों के आंशिक या पूरी तरह बर्बाद कर चुकी है, जबकि राज्य की अपनी संपत्तियों का लेखा-जोखा बर्बादी के भयावह नुकसान का पीड़ाजनक अध्याय जोड़ रहा है। जहिर तौर पर सरकार अब विकास के तत्पशुदा लक्ष्यों के बीच आपदा राहत पैकेज का बंदोबस्त कर रही है, तो कुछ क्षेत्रों के संसाधन कम होंगे। यह बजटीय प्रावधानों का ऐसा प्रबंधन है, जो राशियों के सामान्य आर्बटन को आपदा राहत के मकसद से जोड़ रहा है।

बुरे वक़्त में दोस्त ही ढूँढे जाते हैं, लेकिन अकेला खड़ा हिमाचल केंद्र की अदालत में अपना केस हार चुका है। यह दौर है कि देश के कुछ राज्यों और मुख्यमंत्री राहत कोष में, जनता व अन्य स्रोतों से आया धन राहत की पैरवी में मानवीय योगदान की भावना को आगे बढ़ा रहा है। स्वयं मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने भी अपनी जीवनभर की

बचत यानी 51 लाख की राशि इसी पुण्य कार्य को अर्पित करके उदाहरण बनाया है। देखना होगा कि 4500 करोड़ का राहत पैकेज किस-किस मद में कटौती करता है। फिलहाल एक निर्णय में हिमाचल सरकार पांच नगर निगमों की 33.74 करोड़ की ग्रांट इन एड की राशि वापस ले रही है, जबकि मनरेगा के तहत आर्बिटिट एक हजार करोड़ भी आपदा के जखम भरेगे। ऐसे बहुत सारे व्यय या विकास के कार्य हैं, जिन्हें सरकाया जा सकता है, लेकिन सर्वप्रथम राज्य की फिजुलखर्ची, सरकार का आकार तथा घाटे का कारोबार रोकना होगा। कम से कम आपदा राहत के दौर में सरकार की कार्रवाइयों में बचत का एहसास कराया जाए। पेट्रोल के बिल, सरकार के काफिले और रूटीन में प्रशासनिक व्ययों पर अंकुश लगना चाहिए।

आने वाले कुछ सालों तक वर्तमान परियोजनाओं को ही अमलीजामा पहनाया जाए। घाटे के तमाम निगमों और बोर्डों को सबक सिखाने के लिए बचत के अलावा कमाने के लक्ष्य दिए जाएं। ऐसी बहुत सारी फाइलें यूं ही धूम रही हैं, तो इस दौरान लालफीताशाही पर जोरदार ढंग से रोक लगा कर वर्र्गों की खामी को सुधारा जा सकता है। अगर धन नहीं है, फिर भी आपदा राहत पर त्वरित रूप से पैकेज देने की अनिवार्यता है, तो नई इमारतों के अनावश्यक प्रदर्शन रोकने के अलावा सरकार की मशीनरी अपनी लेनदारी को वसूलने का कोई भी अवसर न गंवाए। बेशक राहज पैकेज की उद्घाता का स्वागत होगा, लेकिन इसके नाम पर कटौतियों का भी भारदर्शी हिसाब होना चाहिए। अगर पांच नगर निगमों से एक झटके में 33.74 करोड़ की ग्रांट इन एड वापस ले ली गई तो किसी एक को बचाते-बचाते कई अन्य नागरिकों की जिंदगी मुश्किल नहीं होनी चाहिए। ये नए नगर निगम हैं, जो अभी बाल्यकाल में ही संसाधनों की कमी से जूझ रहे हैं। इस तरह तो नगर निगमों की सीमा में इन शहरों को धीमा जहर मिल जाएगा।

राय

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस



प्रतिपल स्नेह और आशीष प्रदान करने वाले वृद्ध नित्य प्रणाम के योग्य हैं। और ज्येष्ठ जनों की सेवा - सुश्रुषा का अवसर भाग्यवान को ही प्राप्त होता है।

वृद्धों के अनुभव, संघर्ष, आध्यात्मिक साधना और परिपक्वता परिवार और समाज के लिए अमूल्य निधि हैं जो की युवा पीढ़ी के सुरक्षित और निरापद भविष्य के लिए उचित मार्गदर्शन कर सकते हैं।

समर्पित भाव से वृद्धजनों के स्वाभिमान सम्मान के प्रति श्रद्धा और उत्साह जागृत करें तथा उनकी निःस्वार्थ सेवा हेतु संवेदनशील रहें।

जिन परिवार में बड़े- बुजुर्गों का सम्मान नहीं होता उस परिवार में सुख- संतुष्टि और स्वाभिमान नहीं आ सकता। हमारे बड़े बुजुर्ग हमारा स्वाभिमान हैं, हमारी धरोहर हैं, उन्हें सहेजने की जरूरत है। यदि हम परिवार में स्थाई सुख- शांति और समृद्धि चाहते हैं तो परिवार के बुजुर्गों का सम्मान करें।।

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर सभी वृद्ध जनों को सादर वंदन।



डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

इसमें कोई दो राय नहीं कि कोरोना ने लोगों में समझ पैदा की है। कोरोना काल में सतर्कता का जो संदेश गया वह भले ही आज बीते जमाने की बात हो गई हो पर डेंगू के संभावित खतरे को देखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन और दुनिया के देशों को कोई खास व प्रभावी रणनीति बनानी होगी।

देश में डेंगू के मामले तेजी से बढ़ते जा रहे हैं। इस साल के देश के आंकड़ों की ही बात करें तो देश में डेंगू के कारण मरने वालों की संख्या लगभग 100 के आंकड़े को छू रही है। अकेले केरल में ही डेंगू के कारण 38 मौत की सूचना मिल रही है। डेंगू की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने उच्च स्तरीय बैठक कर आवश्यक निर्देश दिए हैं। दरअसल हमारे देश में डेंगू का पीक सीजन जुलाई से अक्टूबर तक रहता है। वैसे डेंगू अब किसी देश की सीमा में बंधा नहीं है और दुनिया के 129 देशों या यों कहे कि दुनिया की आधी आबादी के क्षेत्र में अपनी उत्पत्ति दर्ज करा चुका है। देश दुनिया की सरकारों और विश्व स्वास्थ्य संगठन के सामने डेंगू बड़ी चुनौती बनकर उभरा है।

यदि विश्व स्वास्थ्य संगठन की हालिया रिपोर्ट को अतिशयोक्तिपूर्ण मानें तब भी इसमें कोई दो राय नहीं हो सकती कि डेंगू आज और आने वाले समय के लिए दुनिया के देशों के लिए गंभीर समस्या बनता जा रहा है। दुनिया के 129 देश डेंगू की गिरफ्त में आ चुके हैं तो इससे भी मतभेद नहीं हो सकता कि दुनिया के देशों में होने वाली बीमारियों में से 70 फीसदी बीमारी का केन्द्र एशिया महाद्वीप बना हुआ है। डेंगू दिन दूनी रात चौगुनी रफ्तार से दुनिया के देशों को अपनी गिरफ्त में लेता जा रहा है। डब्ल्यूएचओ की ही मानें तो आज दुनिया की आधी आबादी डेंगू संभावित क्षेत्र के दायरे में आ

गई है। डेंगू की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि पेरु के अधिकांश इलाकों में डेंगू के कारण इमरजेंसी लगाई जा चुकी है तो अमेरिका जैसा विकसित देश भी इसके दायरे से बाहर नहीं है। एक मोटे अनुमान के अनुसार भारत में ही डेंगू के औसतन 600 मामले प्रतिदिन आ रहे हैं।

दरअसल डेंगू एडीज प्रजाति के मच्छर से फैलता है। डेंगू के मच्छर के बारे में यह माना जाता है कि नमी वाले क्षेत्र खासतौर से यानी एकत्रित होने वाले स्थानों पर यह तेजी से फैलता है। सुबह के समय यह अधिक सक्रिय रहता है। यह भी माना जाता है कि डेंगू होने का दो तीन दिन के बुखार में जांच के दौरान तो पता ही नहीं चलता वहीं तीन चार दिन तक लगातार बुखार के बाद जांच कराने पर डेंगू का पता चलता है। यह भी सही है कि डेंगू से प्रभावित लोग एक से दो सप्ताह में ठीक भी हो जाते हैं। पर कमजोर इम्युनिटी वाले व्यक्ति की या डेंगू के गंभीर होने की स्थिति में जब तेजी से प्लेटलेट्स कम होने लगती हैं तब यह शरीर के दूसरे ओरगन्स को प्रभावित कर मौत का कारण भी बन जाता है। हालांकि डेंगू के कारण मृत्यु की दर नाममात्र की है पर इसकी गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि डेंगू की कारण मौत के आंकड़े भी साल दर साल बढ़ते ही जा रहे हैं।

कोरोना ने दुनिया के देशों को बहुत कुछ सिखाया है। घर की चार दीवारी में कैद होने से लेकर सबकुछ बंद होने के हालातों से लोग दो घर हो चुके हैं। अपनों को अपने सामने ही जाते हुए देखा है। प्लेग को छोड़ दिया जाये तो संभवतः यह पहला मौका होगा जब सब कुछ चाहते हुए भी कोरोना काल में लोग अपनों को अंतिम विदाई तक भी सही ढंग से नहीं दे पाये। कोरोना की त्रासदी से अभी उभर भी नहीं पाये हैं कि जानलेवा बीमारियों के नित नए वेरिएंट सामने आ रहे हैं। इनके पीछे पिछड़े देशों की गरीबी एक कारण है तो दूसरी और जलवायु परिवर्तन के कारण डेंगू जैसे रोग तेजी से फैल रहे हैं। अत्यधिक बारिश, बाढ़, अत्यधिक गर्मी, अत्यधिक सर्दी यहां तक की बेमौसम की बरसात जैसे हालात और आए दिन आने वाले समुद्री तूफान चिंता के कारण बनते जा

घर की बेटियां बेच रहे हैं। लाखों रुपए में बेटियां-बहनों की सौदेबाजी की जा रही है। हलफनामे भरे जा रहे हैं। ग्राहकों को तसल्ली दी जा रही है कि आप लड़कियों के साथ कुछ भी कर सकते हो। भारत के भीतर का एक और भारत यह भी है। एक रफ्त में खुलासा किया है कि करीब 13 लाख बेटियां, बहनें, माताएं और देश की महिलाएं गायब हैं, लापता हैं।

वे स्त्रियां कहाँ गईं? कैसे लापता हुईं? पुलिस-व्यवस्था ने क्या किया? उन्हें कौन 'दरिंदे' लूट गए? क्या वे भारत की नारियां 'वेश्यालय' तक पहुंचा दी गई हैं अथवा विदेशों में तस्करी की गई हैं? बेहद झकझोर देने वाले सवाल हैं। किसी देश की 13 लाख कन्याएं और महिलाएं लापता हो जाएं और यह मुद्दा संसद में न उठे, इससे बड़ी हैरानी और संवेदनहीनता क्या होगी? संसद और विधानसभाओं में महिलाओं के 33 फीसदी आरक्षण अब एक कानून बन चुका है। राष्ट्रपति हस्ताक्षर कर चुकी हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने इसे चुनौती मुद्दा बना दिया है और महिलाओं का व्यापक समर्थन हासिल



रहे हैं। कोरोना ने तो छोटे-बड़े, गरीब-अमीर, विकसित-अविकसित किसी में भी भेद नहीं किया और पूरी तरह से साम्यवाद को साकार किया। विश्व स्वास्थ्य संगठन की हालिया रिपोर्ट के अनुसार दुनिया के चार अरब लोग डेंगू संभावित क्षेत्र में हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के वैश्विक कार्यक्रम प्रमुख डॉ. रमन वेलायुधन का मानना है कि 2000 की तुलना में 2022 तक डेंगू से प्रभावित लोगों का आंकड़े में आठ गुणा तक की बढ़ोतरी हो चुकी है। यदि हम हमारे देश भारत की ही बात करें तो 2018 में 101192 मामले सामने आये थे वहीं 2022 में डेंगू के 233251 मामले सामने आए। यदि 2020 के साल को छोड़ दिया जाए तो भारत में डेंगू के मामले लगातार बढ़ते ही रहे हैं। कमोवेश यही हालात दुनिया के दूसरे देशों में देखने को मिल रहे हैं। डेंगू के कारण दुनिया के देशों में एकाध मौत के समाचार भी लगातार आ रहे हैं।

इसमें कोई दो राय नहीं कि कोरोना ने लोगों में

बलात्कार से बिक्री तक

करने को व्यग्र हैं। रोड शो के दौरान प्रधानमंत्री के वाहन के चारों ओर महिलाओं का घेरा बनाया जाने लगा है। स्पष्ट अर्थ है कि प्रधानमंत्री और उनकी पार्टी भाजपा को महिलाओं का समर्थन और सहयोग सुनिश्चित किया जा चुका है, लेकिन प्रधानमंत्री से हमने आज तक इस सरोकार के शब्द तक नहीं सुने कि 13 लाख स्त्रियां क्यों, कहाँ गायब कर दी गईं? वे सभी देश की सम्मानित नागरिक हैं, आधी-शक्ति की प्रतीक हैं और कई लाख तो मतदाता भी होंगी! वह देश के प्रधानमंत्री हैं, सभी संसाधन, स्रोत और शक्तियां उन्हें संविधान ने प्रदान की हैं। जिस देवनागरी में नाबालिग की इज्जत तार-तार की गई थी, वह मध्यप्रदेश का ही एक शहर है, जहां भाजपा की सरकार है।

प्रधानमंत्री उस राज्य में वोट मांग रहे हैं, सत्ता को बरकरार रखने के प्रयास और प्रयोग किए जा रहे हैं, लेकिन प्रधानमंत्री ने राज्य के मुख्यमंत्री और गुहमंत्री को तलब कर पूछा क्यों नहीं कि महादेव के

या अन्य सुरक्षात्मक उपायों पर खर्च की जाती है और विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा साधनहीन, अविकसित व गरीब देशों तक डेंगू की रोकथाम के लिए अधिक सहायता पहुंचाई जाती है तो डेंगू की बढ़ती रफ्तार को काबू में किया जा सकता है। इसके लिए सरकारों को कोरोना की तरह एसओपी जारी करने के साथ ही लोगों को जागरूक करना होगा ताकि डेंगू के मच्छर को फैलने से रोक जा सके। दरअसल मच्छरों से पैदा होने वाली बीमारियां अधिक तेजी से फैलती है और बहुत जल्दी रोग ग्रसित कर देती हैं। इसलिए ठोस कार्ययोजना बनाकर आगे आना होगा। डेंगू व मलेरिया आदि बदलते मौसम में अधिक सक्रिय हो जाते हैं, ऐसे में सतर्कता ही बचाव वाले सिद्धांत के साथ ही इसकी रोकथाम के उपाय करने होंगे। इसके लिए एक और जहां शोधकर्ताओं को आगे आना होगा वहीं इस क्षेत्र में कार्य कर रहे गैरसरकारी संगठनों को भी सक्रिय होना होगा।

शहर में ऐसा क्यों हुआ? आज मद्रास उच्च न्यायालय का फैसला आया है, जिसमें तमिलनाडु के 215 अफसरों, कर्मचारियों को पुनः दंडित किया गया है। 1992 में 'वाचथी गांव' में 18 महिलाओं के साथ दहशदी की हरे पारी गई। 32 साल बाद फैसला आया है। इस बीच 54 आरोपितों की मौत भी हो चुकी है। तब 8 माह की गर्भवती औरत और 13 साल की बच्ची को भी दुष्कर्म का शिकार बनाया गया। 'यह देश का केसा न्याय है?' दुष्कर्म, क्रूरता, हवस के मामलों में भी 32 साल तक मामला अदालतों में लटका रहेगा, तो फिर किसकी जिंदगी सुरक्षित मानी जा सकती है? राक्षस तो किसी की भी जिंदगी में टकरा सकते हैं। किसी की भी इज्जत से खिलवाड़ कर सकते हैं? फिर महिला सशक्तिकरण, आर्थिक विकास, आत्मनिर्भरता, शिक्षा आदि के जुमले क्यों उछाले जाते रहे हैं? यदि बच्चियां बचेंगी, तो फिर आगे बढ़ाएंगी, पढ़-लिख सकेंगी! उनकी इज्जत पर ही हमले जारी रहेंगे, तो फिर हमारा देश 'भारत महान' कैसा? इस तरह की घटनाओं पर तुरंत रोक लगनी चाहिए और सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।



# नए महीने में टीसीएस, डीमैट और जन्म प्रमाण पत्र से जुड़े नियम बदले, जानें इनके बारे में

नई तिमाही की शुरुआत के साथ 1 अक्टूबर 2023 से कई नए नियम बदल रहे हैं। ये नियम हम सभी को प्रभावित करने वाले हैं। ऐसे में उनकी जानकारी जरूरी है।

**नई दिल्ली।** अक्टूबर महीने की शुरुआत के साथ ही हम एक नई तिमाही में प्रवेश कर रहे हैं। नई तिमाही की शुरुआत के साथ 1 अक्टूबर 2023 से कई नए नियम बदल रहे हैं। ये नियम हम सभी को प्रभावित करने वाले हैं। ऐसे में उनकी जानकारी जरूरी है।

**आइए जानते हैं एक अक्टूबर से होने वाले सात अहम बदलावों के बारे में**  
**म्यूचुअल फंड नामिनेशन**  
म्यूचुअल फंड खातों में नॉमिनी जोड़ने की आखिरी तारीख 30 सितंबर 2023 की तय की गई थी। ऐसे में एक अक्टूबर से जिन खातों में नॉमिनी नहीं जोड़ा जाएगा उन्हें डेबिट फ्रीज किया जा सकता है।

**टीसीएस से जुड़े नए नियम**  
क्रेडिट कार्ड पर 7 लाख रुपये से अधिक के विदेशी खर्च पर एक अक्टूबर से 20 प्रतिशत टीसीएस लगेगा। हालांकि, अगर इस तरह का खर्च चिकित्सा या शैक्षिक उद्देश्यों के लिए किया जाता है, तो टीसीएस पांच प्रतिशत ही लगाया जाएगा। विदेशों में शिक्षा के लिए ऋण लेने वालों के लिए सात लाख रुपये की सीमा से ऊपर 0.5 प्रतिशत की दर से टीसीएस देना होगा।

**डीमैट अकाउंट में नॉमिनेशन**  
डीमैट अकाउंट में नॉमिनी जोड़ने की आखिरी तारीख भी 30 सितंबर 2023 को समाप्त हो रही है। ऐसे में जिन लोगों ने अब तक अपना डीमैट खातों में नॉमिनी का नाम नहीं जोड़ा है उन्हें एक अक्टूबर से परेशानी हो सकती है

**लघु बचत खातों के लिए पैन-आधार**  
पब्लिक प्रॉविडेंट फंड (पीपीएफ), सुकन्या समृद्धि योजना (एसएसवाई), पोस्ट ऑफिस



डिपॉजिट और अन्य छोटी बचत योजनाओं के निवेशकों को सितंबर महीने के अंत तक पोस्ट ऑफिस या बैंक ब्रांच में अपना आधार नंबर और पैन नंबर जमा करना होगा। ऐसा करने से चुकने से उनके लघु बचत निवेश को फ्रीज किया जा सकता है। पीपीएफ, एसएसवाई, वरिष्ठ नागरिक बचत योजना (एससीएसएस) जैसी छोटी बचत योजनाओं में निवेश करने के लिए पैन और आधार नंबर अनिवार्य है। वित्त मंत्रालय ने 31 मार्च 2023 को इस संबंध में एक अधिसूचना जारी की थी।

**बैंक शाखाओं पर सात अक्टूबर के बाद नहीं बदले जाएंगे 2000 के नोट**  
30 नवंबर 2023 तक ही ₹ 2000 के नोट भी बदले जाने थे ऐसे में एक अक्टूबर से इन नोटों को रखने वालों को परेशानी हो सकती थी। हालांकि

अब आरबीआई ने 2000 के नोट बदलने की आखिरी तारीख बढ़ाकर सात अक्टूबर कर दी है। सात अक्टूबर के बाद रुपये के नोटों को बदलने के लिए सीधे आरबीआई का ही रुख करना होगा क्योंकि स्थानीय बैंकों में इसके बदलने की समयसीमा खत्म हो जाएगी।

**जन्म प्रमाण पत्र जरूरी**  
एक अक्टूबर से जन्म प्रमाणपत्र कई बातों को प्रमाणित करने के लिए एक एकल दस्तावेज होगा। नए नियमों के मुताबिक, जन्म और मृत्यु का रजिस्ट्रेशन अनिवार्य कर दिया गया है। 1 अक्टूबर से जन्म और मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) अधिनियम, 2023 लागू हो रहा है। इस नियम के तहत जन्म और मृत्यु के लिए निबंधन करवाना अनिवार्य हो जाएगा। इसे लेकर गृह मंत्रालय ने 13

सितंबर को अधिसूचना जारी की थी। जन्म प्रमाणपत्र स्कूलों में प्रवेश, ड्राइविंग लाइसेंस जारी करने, मतदाता सूची तैयार करने, विवाह पंजीकरण, सरकारी रोजगार, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम, पासपोर्ट और आधार नंबर जारी करने सहित विभिन्न प्रक्रियाओं के लिए अहम साबित होगा।

**पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में बदलाव**  
पेट्रोल, डीजल, एलपीजी, सीएनजी और पीएनजी की कीमतों को तेल और गैस कंपनियां समय-समय पर समय-समय पर समीक्षा करती रहती है। हर महीने की पहली तारीख को एयर फ्यूल की कीमतों में भी बदलाव होता है। ऐसे में एक अक्टूबर से पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों बदलाव का एलान किया जा सकता है।

## महंगा मिलेगा कमर्शियल गैस सिलेंडर, तेल कंपनियों ने दाम में की 209 रुपये की बढ़ोतरी



इस बढ़ोतरी के साथ दिल्ली में 19 किलोग्राम वाला कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर 1731.50 रुपये में मिलेगा।

तेल विपणन कंपनियों ने कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर के दाम में वृद्धि की घोषणा की है। सूत्रों के मुताबिक, रविवार यानी एक अक्टूबर से 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत 209 रुपये बढ़ जाएगी। इस बढ़ोतरी के साथ दिल्ली में 19 किलोग्राम वाला कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर 1731.50 रुपये में मिलेगा।

बता दें, एक सितंबर को तेल कंपनियों ने वाणिज्यिक गैस सिलेंडर

की कीमतों में 158 रुपये की कटौती की थी। इसके बाद दिल्ली में 19 किलोग्राम के वाणिज्यिक गैस सिलेंडर की कीमत घटकर 1,522 रुपये हो गई थी। अगस्त महीने की शुरुआत में भी तेल कंपनियों ने कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतों में 99.75 रुपये की कटौती की थी।

इस तरह, पिछले दो महीनों में कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में करीब 258 रुपये की कटौती की गई थी। कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में ताजा बढ़ोतरी से महंगाई पर असर पड़ सकता है। खास कर, रेस्टोरेंट में भोजन खाना के लिए आपको अधिक पैसे चुकाने पड़ सकते हैं।

## इनसाइड

### कमजोर वैश्विक संकेतों के बीच भारत की अर्थव्यवस्था हो रही है मजबूत

आरबीआई के नवीनतम बुलेटिन के अनुसार कमजोर वैश्विक परिदृश्य के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था में सुधार हो रहा है। यह ताकत सार्वजनिक क्षेत्र के पूंजीगत व्यय के साथ-साथ घरेलू निजी खपत और निश्चित निवेश से प्रेरित है। आरबीआई ने कहा कि आक्रामक मौद्रिक सख्ती का असर सर्विस सेक्टर और बैंक लोन तक फैल गया है जिससे औद्योगिक उत्पादन में मंदी आ गई है।

**नई दिल्ली।** रिजर्व बैंक (आरबीआई) की लेटेस्ट बुलेटिन के मुताबिक वैश्विक संभावनाओं के कमजोर होने के बीच, भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है। यह मजबूती सार्वजनिक क्षेत्र के पूंजीगत व्यय के साथ घरेलू निजी खपत और निश्चित निवेश के कारण मिल रही है।

औद्योगिक उत्पादन की गति में गिरावट आरबीआई की स्टेट ऑफ इकोनॉमी पर लिखी एक आर्टिकल में कहा गया कि चीन और यूरोप में मंदी के बारे में चिंताएं व्याप्त हैं। आरबीआई ने कहा कि आक्रामक मौद्रिक सख्ती का प्रभाव सर्विस सेक्टर, बैंक लोन पर फैल रहा है जिससे औद्योगिक उत्पादन की गति में गिरावट आ रही है।

**भारत के लिए जी20 का बड़ा महत्व**  
आरबीआई के डिप्टी गवर्नर माइकल देबब्रत पात्रा के नेतृत्व वाली एक टीम द्वारा लिखे गए लेख के मुताबिक वैश्विक प्रगति की दृष्टि के रूप में 'वसुधैव कुटुंबकम' के साथ भारत की जी20 प्रेसीडेंसी और इसके परिणाम ऐसे माहौल में महत्व रखते हैं जहां वैश्विक आर्थिक गतिविधि विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक आर्थिक स्थितियों के कारण कम हो रही है।

आरबीआई के आर्टिकल के मुताबिक कमजोर होती वैश्विक संभावनाओं के बीच, भारतीय अर्थव्यवस्था घरेलू चालकों - निजी खपत, के नेतृत्व में ताकत हासिल कर रही है। आपूर्ति प्रतिक्रियाओं में सुधार हो रहा है और हेडलाइन मुद्रास्फीति पिछले महीने के शिखर से अगस्त में कम हो गई है आर्टिकल लिखे लेखक के हैं निजी विचार आरबीआई ने कहा कि इस आर्टिकल में लिखे गए विचार आरबीआई के डिप्टी गवर्नर माइकल देबब्रत पात्रा के नेतृत्व वाली टीम के निजी विचार हैं, आरबीआई के नहीं।

**भारतीय स्पेस मिशन सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण**  
आर्टिकल में आरबीआई ने कहा कि भारत के अंतरिक्ष प्रयास देश के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। स्पेस एजेंसी मौसम पूर्वानुमान, भूवैज्ञानिक और समुद्र विज्ञान अध्ययन, आपदा प्रबंधन और कृषि सहित कई अनुप्रयोग क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण हैं। आरबीआई ने अपने आर्टिकल में कहा कि भारतीय स्पेस एजेंसी ने देश की रक्षा और सुरक्षा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वर्तमान में, वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में भारत की हिस्सेदारी लगभग 2 प्रतिशत है, लेकिन बढ़ती निजी भागीदारी के साथ यह हिस्सेदारी तेजी से बढ़ने वाली है।

## इस हफ्ते में खुल रहे हैं वैलिएंट लेब्रोट्रीज समेत कई कंपनी के आईपीओ, जानिए कितना है प्राइस बैंड

शेयर बाजार में लिस्ट होने के लिए कंपनी निवेशकों के लिए आईपीओ खोलती है। आईपीओ में निवेश की प्रक्रिया पूरी होने के बाद कंपनी अपने शेयर स्टॉक एक्सचेंज में लिस्ट होते हैं। कल से शुरू होने वाले कारोबारी हफ्ते में कई कंपनी अपने आईपीओ खोल रहे हैं। अगर आप भी शेयर बाजार में निवेश करते हैं तो जानिए कि कौन-सी कंपनी अपना आईपीओ खोल रही है।

**नई दिल्ली।** कल से अक्टूबर माह का पहला कारोबारी हफ्ता शुरू होगा। जब भी कोई नया महीना शुरू होता है तो उसमें कई वित्तीय बदलाव होते हैं। इस हफ्ते कई कंपनी अपना आईपीओ खोल रही है। शेयर बाजार में आईपीओ का सिलसिला अभी भी थमा नहीं है। इस हफ्ते भी बाजार में जोर-दार हलचल देखने को मिल सकती है।

आइए, आज हम आपको उन कंपनियों के आईपीओ के बारे में बताते हैं जो इस हफ्ते निवेशकों के लिए आईपीओ खोल रही है।



**वैलिएंट लेबोरेट्रीज आईपीओ**  
वैलिएंट लेबोरेट्रीज का आईपीओ निवेशकों के लिए 27 सितंबर 2023 को खुला था। यह आईपीओ 3 अक्टूबर को बंद हो जाएगा। कंपनी ने अपना आईपीओ का प्राइस बैंड 133 रुपये से 140 रुपये निर्धारित किया है। कंपनी के शेयर इस महीने स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट होंगे।

**प्लाजा वायर्स आईपीओ**  
प्लाजा वायर्स ने निवेशकों के लिए अपना आईपीओ 20 सितंबर 2023 को खोल दिया था। कंपनी के आईपीओ में निवेश करने की आखिरी तारीख 4 अक्टूबर 2023 है। कंपनी ने अपने आईपीओ का प्राइस बैंड 51 रुपये से 54 रुपये तय किया है। कंपनी के आईपीओ पहले दिन 4.73 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

**अन्य कंपनी के आईपीओ**  
अगर आप शेयर बाजार में निवेश करने का प्लान बना रहे हैं तो आपको बता दें कि उप्युक्त आईपीओ के अलावा कई एसएमई कंपनी के आईपीओ निवेशकों के लिए खुल रहे हैं। गोयल साल्ट, सुनीता टूल्स का आईपीओ निवेशकों के लिए 3 अक्टूबर 2023 को बंद होगा। यह आईपीओ 26 सितंबर को खुला था।

इस हफ्ते 3 अक्टूबर 2023 को ई फैक्टर एक्सपीरियंस, वीन्यास इन्वेंटिव टेक्नोलॉजीज और कैनरी ऑटोमेशन का आईपीओ बंद होगा। यह आईपीओ 27 सितंबर को खुला था। विवा ट्रेड कॉम, आकांक्षा पावर एंड

था।

इस हफ्ते 3 अक्टूबर 2023 को ई फैक्टर एक्सपीरियंस, वीन्यास इन्वेंटिव टेक्नोलॉजीज और कैनरी ऑटोमेशन का आईपीओ बंद होगा। यह आईपीओ 27 सितंबर को खुला था। विवा ट्रेड कॉम, आकांक्षा पावर एंड

इंफ्रास्ट्रक्चर का आईपीओ 29 सितंबर 2023 को खुला था। यह आईपीओ 4 अक्टूबर 2023 को बंद हो जाएगा।

विष्णुसूर्या प्रोजेक्ट्स एंड इंफ्रा, प्लाडा इन्फोटेक सर्विसेज और कर्णिका इंडस्ट्रीज का आईपीओ 29 सितंबर को खुला था और 5 अक्टूबर 2023 को बंद होगा।

**यह शेयर होंगे लिस्ट**  
इस कारोबारी हफ्ते वैभव ज्वैलर्स, जेएसडब्ल्यू इंफ्रास्ट्रक्चर, मंगलम अलॉयज, ऑर्गेनिक रीसाइक्लिंग सिस्टम, डिजीकोर स्टूडियो, साक्षी मेटाटेक और पैनलस और इस्पायर फिल्म के स्टॉक बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होंगे। इसका मतलब है कि इन कंपनी के शेयर बाजार में ट्रेड करेंगे।

## पेंशन और हेल्थ के लिए सबसे ज्यादा परेशान हैं भारत के बुजुर्ग, हैल्पऐज एल्डरलाइन ने जारी किये आंकड़े

भारत में बुजुर्गों की सबसे बड़ी चिंता पेंशन और स्वास्थ्य को लेकर है। सरकारी हैल्पलाइन एल्डरलाइन पर इस साल बुजुर्गों ने पेंशन संबंधी समस्याओं से जुड़ी सूचना और सामाजिक कल्याण योजनाओं देखभाल केंद्रों अस्पतालों और चिकित्सकों समेत कई मुद्दों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने इसको लेकर आंकड़े जारी किये। आंकड़ों के अनुसार उनके हैल्पलाइन पर कुल 13086 फोन प्राप्त हुई।

**नई दिल्ली।** भारत में बुजुर्गों की सबसे बड़ी चिंता पेंशन और स्वास्थ्य को लेकर है। सरकारी हैल्पलाइन एल्डरलाइन पर इस साल बुजुर्गों ने पेंशन संबंधी समस्याओं से जुड़ी सूचना और सामाजिक कल्याण योजनाओं, देखभाल केंद्रों, अस्पतालों और चिकित्सकों समेत कई मुद्दों के बारे में जानकारी ली। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, हैल्पलाइन के टोल फ्री नंबर 14567 पर 87,218 फोन आई।

एल्डरलाइन एनजीओ भागीदारों के सहयोग से देश भर में परेशानियों का सामना कर रहे बुजुर्गों की सहायता के लिए सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय की एक पहल है। आंकड़ों के अनुसार, हैल्पलाइन वर्तमान में 31



राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में संचालित की जा रही है। हैल्पऐज इंडिया क्या है हैल्पऐज इंडिया उन एनजीओ में से एक है, जिसने मंत्रालय को आठ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों दिल्ली, मध्य प्रदेश, पुडुचेरी, पंजाब, आंध्र प्रदेश, गुजरात जम्मू कश्मीर और लद्दाख में जनवरी 2023 से सितंबर 2023 तक हैल्पलाइन संचालित करने में मदद की। उसे हैल्पलाइन पर कुल 13,086 फोन प्राप्त हुई, जो

राष्ट्रीय हैल्पलाइन पर प्राप्त कुल काल का लगभग 25 प्रतिशत है। आंकड़ों के अनुसार, लगभग 21 प्रतिशत फोन में वरिष्ठ नागरिकों ने वृद्धाश्रम, देखभाल केंद्रों, अस्पतालों, चिकित्सकों और देखभाल सुविधा देने वालों के बारे में जानकारी मांगी। वहीं, 33 प्रतिशत फोन में कानूनी मुद्दों, सामाजिक सुरक्षा, पेंशन और भरण-पोषण अधिनियम के संबंध में मार्गदर्शन मांगा गया। हैल्प ऐज इंडिया के मिशन प्रमुख डॉ

इम्तियाज अहमद ने कहा कि अन्य के तहत वर्गीकृत 41 प्रतिशत से अधिक काल में सहायक उपकरणों, दवा और छोटे घरेलू कामों के लिए सहायता मांगी गई और पड़ोसियों के साथ विवादों के समाधान के लिए कहा गया। उन्होंने कहा कि लगभग चार प्रतिशत काल बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार से जुड़े मुद्दों से संबंधित थीं। उन्होंने कहा कि 73 प्रतिशत फोन करने वाले पुरुष थे, जबकि 27 प्रतिशत महिलाएं थीं।

## बाजार अफवाहों के सत्यापन को लेकर नए नियमों की समयसीमा बढ़ी, जानें सेबी के नए नियम कब से लागू होंगे



भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सेबी) ने शेयर बाजार में जारी अफवाहों से स्टॉक पर पड़ने वाले असर को देखते हुए सूचीबद्ध कंपनियों को राहत दी है। सेबी ने रविवार को इन इकाइयों के लिए सख्त नियमों की समय सीमा बढ़ा दी है, ताकि वह इन अफवाहों का समय पर सत्यापन कर सकें।

सेबी (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 के तहत इन नियमों ने बाजार पूंजी के लिहाज से शीर्ष 100 सूचीबद्ध इकाइयों पर एक अक्टूबर, 2023 से प्रभावी होना था। इसी तरह बाजार पूंजी के लिहाज से शीर्ष 250 सूचीबद्ध कंपनियों को अनिवार्य रूप से बाजार की अफवाहों का सत्यापन और पुष्टि, खंडन या स्पष्टीकरण करना था। अब, सेबी ने बाजार पूंजी के आधार पर शीर्ष 100 सूचीबद्ध संस्थाओं के लिए नए नियमों को लागू करने की तारीख को एक फरवरी, 2024 तक और बाजार पूंजी के लिहाज से शीर्ष 250 सूचीबद्ध संस्थाओं के लिए एक अगस्त, 2024 तक बढ़ाने का फैसला किया है।



# आदित्य एल.1 को लेकर इसरो ने दी बड़ी खबर, जानें

## आदित्य एल.1 ने अब तक 9.2 लाख किलोमीटर से ज्यादा की दूरी तय कर ली

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। इसरो ने शनिवार को भारत के सूर्य मिशन आदित्य एल.1 को लेकर बड़ी जानकारी साझा की। देश का पहला सोलर मिशन अब तक सफलतापूर्वक आगे बढ़ रहा है और अब यह अपने अलग-अलग चरण में पहुंच चुका है। आदित्य एल.1 मिशन के मुताबिक भेजा गया अंतरिक्ष यान पृथ्वी के प्रभाव क्षेत्र से सफलतापूर्वक निकल गया है। आदित्य एल.1 ने अब तक 9.2 लाख किलोमीटर से ज्यादा की दूरी तय कर ली है।

पृथ्वी के प्रभाव क्षेत्र से बाहर-

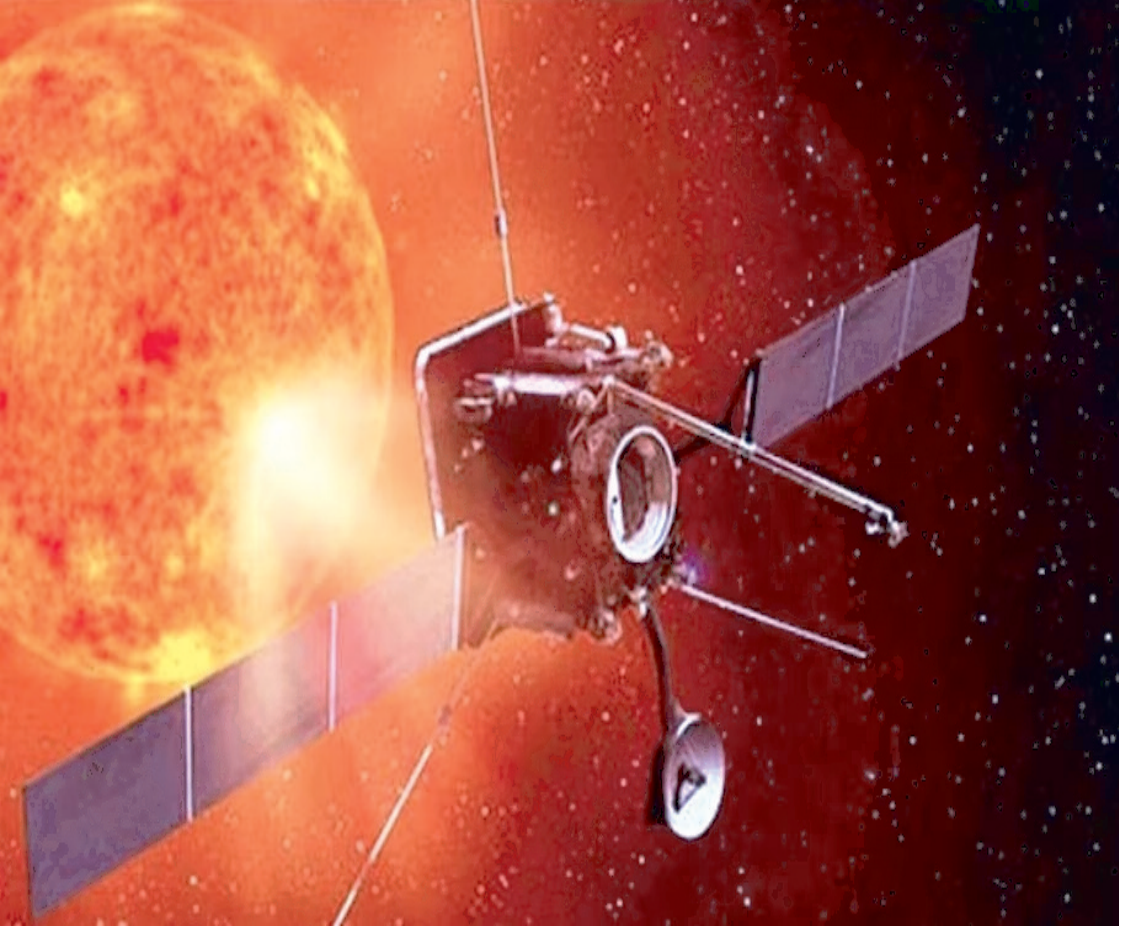
इसरो ने आदित्य एल वन मिशन के बारे में बताया कि अब यह सन अर्थ लैंग्वेज पॉइंट वन की और अपना रास्ता तलाश रहा है। यह दूसरी बार है जब इसरो ने किसी अंतरिक्ष यान को पृथ्वी के प्रभाव क्षेत्र से बाहर भेजा है। पहली बार ऐसा मंगल आर्बिट मिशन के दौरान किया गया था।

दुनिया के अंतरिक्ष वैज्ञानिकों की नजर-

6 जनवरी 2024 को इसरो का आदित्य एल वन मिशन अपने निर्धारित लैंग्वेज पॉइंट तक पहुंचाने की संभावना है। यह भारत का पहला मिशन है और पूरी दुनिया के अंतरिक्ष वैज्ञानिकों की इस पर नजर बनी हुई है। चंद्रयान-3 की सफलता ने भारत को अंतरिक्ष विज्ञान की दुनिया में उभरती हुई ताकत के तौर पर पेश किया है। सोलर मिशन की कामयाबी इस क्षेत्र में भारत के कदम और मजबूत करेगी। अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में उपलब्धियों के लिहाज से देश के लिए यह साल काफी महत्वपूर्ण होने वाला है।

अमेरिका समेत कई और अंतरिक्ष एजेंसी-

सोलर मिशन की दिशा में चीन, अमेरिका समेत कई और अंतरिक्ष एजेंसी भी काम कर रही हैं। अगर भारत का आदित्य एल वन यहां सफलतापूर्वक जाता है, तो उसकी मुलाकात यहां पहले से मौजूद अंतरिक्ष यान से भी हो सकती है। इसमें इंटरनेशनल सन, अर्थ एक्सप्लोरर जेनेसिस मिशन, और चीन का चांद 5 लूनर आर्बिट शामिल है। सूर्य का अध्ययन करने वाले यह सभी मिशन बहुत ही महत्वपूर्ण हैं।



# बेंगलुरु की सड़क पर चलती इलेक्ट्रिक कार में आग लगने की वीडियो हुई वायरल, सिर्फ नजर आ रहा भयंकर प्रदूषण



परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। इलेक्ट्रिक स्कूटरों में आग लगने की कई घटनाओं के बाद, कर्नाटक के बेंगलुरु की सड़कों पर एक इलेक्ट्रिक कार में आग लगने की एक नई घटना इंटरनेट पर सामने आई है। कार के आग की लपटों से जलने और काला धुआं निकलने की घटना कैमरे में कैद हो गई और घटना के वीडियो इंटरनेट पर साझा किए जा रहे हैं। वीडियो में आग लगने के बाद जली हुई कार को दिखाया गया है। कथित तौर पर, यह

## कर्नाटक के शिवमोगा में पथराव के बाद पांच लोग घायल, इलाके में धारा 144 लागू

कर्नाटक के रागीगुड्डा के नजदीक शांति नगर इलाके में जुलूस में शामिल कुछ उपद्रवियों ने कथित तौर पर पथराव की घटना को अंजाम दिया। इस घटना के बाद दोनों गुटों के लोग सड़क पर उतर गए। शिवमोगा के पुलिस अधीक्षक मिथुन कुमार ने जानकारी दी कि आज शाम रागीगुड्डा में पथराव की घटना घटी। हालांकि हम भीड़ को तितर-बितर करने में कामयाब रहे और स्थिति अब नियंत्रण में है।

शिवमोगा। कर्नाटक के शिवमोगा में इंद मिलाद के जुलूस के दौरान दो गुटों में तनाव पैदा हो गया। रागीगुड्डा के नजदीक शांति नगर इलाके में जुलूस में शामिल कुछ उपद्रवियों ने कथित तौर पर पथराव की घटना को अंजाम दिया। इस घटना के बाद दोनों गुटों के लोग सड़क पर उतर गए। इस घटना में पांच लोग घायल हो गए। स्थिति पर नियंत्रण पाने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज को अंजाम दिया और धारा 144 लागू कर दिया। पुलिस ने बताया कि एहतियात के तौर पर कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस की एक टुकड़ी तैनात की गई है। शिवमोगा के पुलिस अधीक्षक (SP) मिथुन कुमार ने समाचार एजेंसी एनआई को जानकारी दी, र.आज शाम रागीगुड्डा में पथराव की घटना घटी। हालांकि, हम भीड़ को तितर-बितर करने में कामयाब रहे और स्थिति अब नियंत्रण में है।

# संपर्क से समर्थन के अंतर्गत जिला प्रबुद्ध जन प्रकोष्ठ की बैठक आयोजित

मोदी सरकार की अनगिनत उपलब्धियां प्रकोष्ठ द्वारा जनता के अंतिम मतदाता पहुंचना है ... मेवाड़ा



अनूप कुमार शर्मा

भूलवाड़ा। भाजपा जिला अध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा के मुख्य आतिथ्य में संपर्क से समर्थन के अंतर्गत भाजपा प्रबुद्ध प्रकोष्ठ की बैठक जिला संयोजक मनोज शर्मा के अध्यक्षता में संपन्न हुई। सहसंयोजक डॉ सुरेश भदाव व अमिता पारीक ने पार्टी का ऊपरना से स्वागत व अभिनंदन किया। बैठक में मेवाड़ा ने कहा प्रकोष्ठ की पार्टी में महत्वपूर्ण भूमिका है जिसमें आप उद्योगपति व व्यावसायिक, प्रोफेशनल आप सीधे ही जनता के संपर्क में होते हैं मोदी सरकार की 9 वर्ष की उपलब्धियां किसी से छुपी नहीं है अनगिनत

उपलब्धियां हमारे बीच में हैं, जो जनता के अंतिम मतदाता तक प्रकोष्ठ के माध्यम से हमको पहुंचना है, चुनावी-वर्ष होने से जिन मतदाताओं की नाम जुड़वाने हैं उसमें हमको सहयोग करना चाहिए तथा नव मतदाताओं को प्रोत्साहित करें मतदाता बनाना चाहिए। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी महावीर समदानी ने बताया कि इस अवसर पर की मतदाता प्रेम सिंह चंडालिया ने विचार व्यक्त करते हुए कहा हम समझ में जहां पर भी कोई गतिविधि में जाते हैं हमारा ध्यान है पार्टी की जो उपलब्धियां हैं उसकी तरफ रहता है रहना चाहिए ताकि आम मतदाता हमारे साथ जुड़े इसी क्रम में जगदीश शर्मा

सेवानिवृत्ति शिक्षा विभाग से ने भी अपनी बात रखी तथा बताया समय अभी उपयुक्त है 9 वर्ष की उपलब्धियां जनता के बीच में जानी चाहिए बैठक में जिला महामंत्री बाबूलाल टांक जिला उपाध्यक्ष प्रहलाद त्रिपाठी जिला कोषाध्यक्ष ललित अग्रवाल भाजपा पदाधिकारी गोपाल तेली, मनोज बुलानी धर्मवीर सिंह कानावत पीयूष सोनी प्रकोष्ठ के पदाधिकारी कीर्तन लड्डा, छाया द्विवेदी बालेश्वर, बलेश्वर डाड, दिनेश सनाद्वय, धर्मवीर सिंह, योगेश शर्मा, मथुरा लाल जाट, महेंद्र सेन, राधेश्याम गगरानी, आशीष अजमेरा, कैलाश प्रजापति आदि उपस्थित थे।

# लव जिहाद और धर्मांतरण पर सरकार बनाये कानून-टी राजा

परिवहन विशेष न्यूज

भूलवाड़ा हिंदू हृदय सम्राट और तेलंगाना विधायक टी राजा का टी राजा रविवार को भूलवाड़ा के आजाद चौक में दुर्गा शक्ति अखाड़ा के सातवें स्थापना दिवस के अवसर पर कहा कि लव जिहाद और धर्मांतरण देश की सबसे बड़ी समस्या है। सरकार को चाहिए कि लव जिहाद और धर्मांतरण को रोकने के लिए कानून बनाकर रोक लगाये टी राजा ने कहा कि राजस्थान पद्मावती और हाड़ी रानी जैसी वीरंगनाओं का प्रदेश है लेकिन वर्तमान समय में युवतियों में भटकाव होता जा रहा है वे जिहादियों और विधर्मियों के हथकंडों का शिकार हो रही हैं। प्रदेश और देश में लव जिहाद और धर्मांतरण के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं कभी नाम बदलकर तो कभी प्रलोभन देकर हिंदू बहन बेटों को बहलाला फुसलाया जा रहा है तो कहीं उनका धर्म परिवर्तित कराया जा रहा है सरकार को इस पर सख्त कदम उठाने की आवश्यकता है

साथ ही यह घोषणा भी की आगामी 2026 तक भारत हिंदू राष्ट्र बनेगा, भारत की राजधानी अयोध्या बननी चाहिए उन्होंने नारी शक्ति से आह्वान करते हुए कहा कि नारी शक्ति को ज्वालामुखी बनना है झांसी की रानी भी अकेली थी लेकिन उन्होंने डटकर जुलूम का सामना किया था। उसी प्रकार आज की महिला को भी वही रूप लेना है इससे पूर्व सांगानेरी गेट से दुर्गा शक्ति अखाड़ा की कार्यकर्ताओं द्वारा शौर्य संचलन का आयोजन किया गया जो शहर के मुख्य मार्ग से होते हुए आजाद चौक पहुंची महामंडलेश्वर हंसराम ने उद्बोधित करते हुए कहा कि बच्चियों और महिलाओं को जो जिम लुडवाकर अखाड़े में शामिल करना चाहिए, जहां वे लड्डू चलाती सीखकर अपनी रक्षा स्वयं कर सकेंगी। उन्होंने कहा कि विधर्मियों को सबक सिखाने के लिए हर प्रदेश में सभी जगह टी राजा तैयार करना होगा। आयोजन में विभिन्न हिंदू संगठनों के पदाधिकारी कार्यकर्ता मौजूद रहे।



# केंद्रीय विद्यालय में शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने किया श्रमदान

परिवहन विशेष न्यूज

झज्जर : केंद्रीय विद्यालय में एक तारीख, एक घंटा, एक साथ अभियान के दौरान प्राप्त दस बजे से ग्यारह बजे तक चले गए स्वच्छता अभियान कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों, शिक्षकों व कर्मचारियों ने मिलकर

श्रमदान करते हुए विद्यालय परिसर की साफ-सफाई की। प्राचार्या मीता अधिकारी के मार्गदर्शन में आयोजित श्रमदान कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए मनोज कुमार पुनिया, सुरेंद्र सिंह, राकेश कुमार, प्रदीप डागर, रामनिवास, नरेश कुमार, मधुबाला

यादव, अनीता कुमार ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए भारत सरकार के स्वच्छता ही सेवा अभियान को सफल बनाया। शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने स्वच्छता संबंधी शपथ लेते हुए समाज के अन्य लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया।



